बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 133 | बुधवार 04 सितम्बर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस-आप में हो सकता है गठबंधन

राहुल गांधी ने राय मांगी; हुड्डा 3-4 सीटों पर राजी, चंडीगढ़ में इसी फॉमूले से निगम-लोकसभा जीते

पानीपत। (एजेंसी)

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच राजनीति को चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में गठबंधन हो सकता है। दोनों ही पार्टियां पहले ही इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी पहल राहुल गांधी ने की है। केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने हरियाणा के नेताओं से इस बारे में पूछा। इसके बाद एक सीनियर नेता की ड्यूटी लगाई कि वह इस बारे में प्रदेश के नेताओं से बात करे। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस-आप ने मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 9 और आप ने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस 5 सीटें जीती लेकिन आप कुरूक्षेत्र सीट हार गई थी। हालांकि चंडीगढ़ चुनाव में एक साथ लडने् पर कांग्रेस-आप ने निगम और लोकसभा चुनाव जीता था।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने नेताओं से पूछा कि क्या हमें हरियाणा में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करना चाहिए?। वहां राय जानने की कोशिश के बाद सीनियर नेता को कहा कि वह नेताओं से बात करे। गठबंधन संभव है या नहीं और अगर हुआ तो इसके फायदे-नुकसान क्या होंगे, इसके बारे में रिपोर्ट मांगी है।

अपनाया जाएगा लोकसभा चुनाव वाला फॉर्मूला

माना जा रहा है कि गठबंधन हुआ तो सीट बंटवारे को लेकर लोकसभा चुनाव वाला फॉर्मूला ही अपनाया जा सकता है। इसको लेकर आज शाम को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की दूसरी मीटिंग में स्थिति साफ हो सकती है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा गठबंधन हो सकता है। इसके लिए आप और बाकी इंडिया के सहयोगी बाकी दलों के साथ बातचीत चल रही है। हम हरियाणा में वोटों का ध्रुवीकरण और भाजपा को रोकना चाहते हैं। वहीं इस मामले में भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अगर गठबंधन होता है तो आप को केवल 3-4 सीटें दे सकते हैं। मगर, आप इससे ज्यादा मांग रही है, इसलिए गठबंधन मुश्किल है। वहीं भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस को पता लग गया है कि वह हरियाणा नहीं जीत सकती। इसलिए आखिरी वक्त में कुछ उपाय कर रही है। आप से गठबंधन की बात कर रही है लेकिन प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है। कांग्रेस जो मर्जी कर ले, किसी से गठबंधन कर ले, भाजपा ही आएगी।

भाजपा को हराना प्राथमिकता

वहीं आप के संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और उसकी नफरत की राजनीति तथा लोगों, किसानों और युवाओं के खिलाफ राजनीति को हराना हम सभी की प्राथमिकता है। हालांकि, सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी आधिकारिक रुख आप के हरियाणा मामलों के प्रभारी संदीप पाठक और प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता द्वारा तय किया जाएगा। आप के वरिष्ठ नेता ने कहा, इस संबंध में कोई भी अंतिम निर्णय केजरीवाल की मंजूरी के बाद हरियाणा में संगठनात्मक और चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े हमारे नेताओं द्वारा लिया जाएगा।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

हिमाचल में वित्तीय संकट.....

वेतन और पेंशन नहीं मिला कर्मचारियों को

शिमला । (एजेंसी)

भले ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की कोशिश की हो, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी ने इस आंशका को सच साबित कर दिया। जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया।

आम तौर पर वेतन और पेंशन हर माह की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं।

अभी भी कोई आधिकारिक बयान नहीं है, कि वेतन कब वितरित होगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ-साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए।

हालांकि पिछले शासनकाल में इसतरह के उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। विडंबना यह है कि एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। सीएम सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में सुक्खू कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है।

लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं।

कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूं जब 3 सितंबर है और कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

राहुल के ऑफर का संजय ने किया स्वागत.....

अंतिम फैसला केजरीवाल पर छोड़ा

नई दिल्ली । हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में गठबंधन हो सकता है। दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑफर पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। सिंह ने कहा कि मैं राहुल गांधी के बयान का स्वागत करता हूं। बीजेपी को हराना हमारी प्राथमिकता है। लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सहमति से फैसला होगा। बता दें कि हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को चुनाव होना है। इस पर कांग्रेस पार्टी में मंथन का दौर जारी है। हरियाणा के एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया ने बताया था कि बुधवार तक अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि विनेश फोगट को लेकर चल रही अटकलों पर भी मंगलवार तक विराम लगेगा। राज्य की स्क्रीनिंग कमेटी ने 49 नामों की सूची पेश की, जिसमें से 34 को मंजूरी मिल गई है और 15 नाम लंबित हैं। 22 मौजूदा विधायकों को टिकट मिलने पर मुहर लग गई है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव के लिए पांच अक्टूबर को वोटिंग होगी। यहां एक ही चरण में सभी 90 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पहले यहां 1 अक्टूबर को वोटिंग होनी थी। लेकिन बिश्नोई समाज के सदियों पुराने त्यौहार आसोज अमावस्या के चलते तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। इसके नतीजे 8 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर चुनाव के साथ ही घोषित किए जाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी उदगीर बुद्ध विहार का उद्घाटन, आनंद मेले में लेंगी भाग

लातूर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाराष्ट्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। वह बुधवार को लातूर जाएंगी। यहां राष्ट्रपति उदगीर बुद्ध विहार का उद्घाटन करेंगी और फिर महिला आनंद मेले समारोह में भाग लेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अपनी यात्रा के पहले दिन कोल्हापुर के वरणानगर में श्री वरणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुईं थी। आज यानी मंगलवार को वह पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही वह मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह में भी शामिल होंगी। अपनी यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू लातूर के उदगीर में बुद्ध विहार का उद्घाटन करेंगी और शासन अव्यान दारी और मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना के लाभार्थियों से भी मुलाकात करेंगी। मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना को महाराष्ट्र राज्य सरकार ने 28 जून, 2024 को लॉन्च किया था। योजना का उद्देश्य राज्य में महिलाओं को वित्तीय मदद और सशक्तिकरण प्रदान करना है। इस योजना को पूरे राज्य की महिलाओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अब तक पूरे महाराष्ट्र से दो करोड़ 40 लाख महिलाओं ने आवेदन किया है। इस योजना के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 31 अगस्त थी, लेकिन इस योजना के प्रति पात्र महिलाओं के उत्साह को देखते हुए शिंदे सरकार बड़ा फैसला ले सकती है।

कांस्टेबल भर्ती के दौरान हुई मौतों पर जांच है जारी

-डैक्टर्स कह रहे दौड़ की प्रेक्टिस नहीं, पुलिस अधिकारी बता रहे कुछ और...

रांची । झारखंड आबकारी कांस्टेबल भर्ती शारीरिक परीक्षा में शामिल 12 उम्मीदवारों की मौतों से बवाल मचा हुआ है। डॉक्टर्स का कहना है कि दौड़ की प्रैक्टिस न करने वाले उम्मीदवारों के साथ कुछ समस्या हुई है। जबकि बहाली देख रहे एक पुलिस अधिकारी ने एनर्जी ड्रिंक या दवा की ओर भी इशारा किया है। हालांकि, मामले की जांच जारी है। डॉक्टर एसके विनायक ने बताया, अचानक दौड़ने पर इंसान के शरीर में प्रेशर के साथ ऑक्सीजन लेवल कम होता है। साथ ही स्टीरॉयड या एनर्जी ड्रिंक जैसे पदार्थ काफी हानिकारक हो सकते हैं। उन्होंने अपील की है कि यह जिंदगी का ये आखिरी इम्तेहान नहीं है, इसलिए अभ्यर्थियों को धैर्य रखना चाहिए। पलामू में भर्ती परीक्षा देख रहे कमांडेंट रैंक के आईपीएस अधिकारी मुकेश कुमार ने कहा, अभ्यर्थियों को धैर्य रखने की जरूरत है। दौड़ में शामिल कुछ अभ्यर्थियों का व्यवहार अजीब था। एनर्जी ड्रिंक लेना या दवा लेना भी मौत का एक कारण हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में जांच जारी है। हालांकि, सफल अभ्यर्थियों का कहना है कि परिवारवाले चाहते थे कि सरकारी नौकरी लेकर वे समाज की सेवा और परिवार को भी सपोर्ट करें। महिला और पुरुष अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्होंने दौड़ के लिए लंबे समय से अभ्यास किया है ताकि समय और ताकत बनी रहे। सफल कैंडिडेट्स का भी मानना है कि बगैर प्रैक्टिस के समस्या हो सकती है और शक्तिवर्धक उपाय यानी शॉर्टकट जानलेवा हो सकते हैं। उधर, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान को तीन दिनों के लिए रोकने के निर्देश जारी किए हैं। उम्मीदवारों की मौत को दुखद और हृदय विदारक बताकर सोरेन ने कहा कि उन्होंने पिछली सरकार द्वारा बनाए नियमों की तत्काल समीक्षा करने को कहा है। बीजेपी ने दावा किया है कि अब तक 15 उम्मीदवारों की जान जा चुकी है, जबकि झारखंड पुलिस के अनुसार, अब तक 12 उम्मीदवारों की मौत की सूचना मिली है।

भेड़िये के बाद अब सियारों की एंट्री..... मां के साथ सो रही नवजात बच्ची ले भागे

-रोने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो नोच रहा था उसका शरीर

सुलतानपुर। (एजेंसी)

यूपी के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। भेड़िये मासूम बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को अपना शिकार बना रहे है। इसी बीच सुलतानपुर से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां पर एक सियार ने आतंक मचा रखा है। सियार बीती रात करीब चारपाई पर अपनी मां के साथ सो रही नवजात बच्ची को उठा ले गया। करीब 60 मीटर दूर ले जाकर बच्ची को नोचना शुरू किया तो बच्ची रोने लगी। आवाज सुनकर माता-पिता वहां पहुंचे तो सियार भाग गया। सियार के हमले से बच्ची की मौत हो गई। यह मामला मोतिगरपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दियरा के कोड़रिया पुरवे का है। गांव निवासी मोनू अपनी पत्नी बच्चों के साथ सोए हुए थे। पत्नी मुस्कान अपनी नवजात बेटी काजल (2 माह) व अन्य बच्चों के साथ चारपाई पर सो रही थी जबकि पिता मोनू बेटे सुल्तान के साथ दूसरी चारपाई पर लेटा था। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे बेटी के रोने की आवाज सुनकर जागे तो नवजात काजल चारपाई पर नहीं थी। बच्ची के रोने की आवाज घर के पास खेतों में से आ रही थी। जब वह वहां पहुंचे तो सियार बच्ची को नोच रहा था, उन्हें देखकर भाग गया। सियार के हमले से नवजात के सिर के ऊपरी हिस्से में गहरा घाव हो गया है। परिजन उसे अस्पताल ले गए जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी ग्राम प्रधान ने पुलिस को दी। वहीं, 10 दिन पहले पास के एक गांव खैरहा निवासी बुजुर्ग बंशीधर चौबे को भी सियार ने चेहरे पर काट लिया था। सियार के हमले से अब इलाके में दहशत का माहौल है।

सुप्रीम कोर्ट की निचली अदालतों को हिदायत..... पीठ के फैसलों के खिलाफ काम ना करे

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत दी कि निचली अदालतों के लिए मुकदमों की जल्दी सुनवाई के लिए हाई कोर्ट समय सीमा तय कर रहे हैं और सिर्फ इस आधार पर जमानत देने से इंकार सही नहीं है। अदालत ने कहा कि यह शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ है, क्योंकि इस तरह की समयावधि निर्धारित करना असाधारण मामलों में ही तय किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा मुकदमों के जल्दी निपटान और जल्द सुनवाई के लिए जमानत देने से इंकार शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के फैसलों के खिलाफ है। रिपोर्ट मुताबिक, पीठ ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ की घोषणा के बावजूद, हमने देखा है कि कई उच्च न्यायालय जमानत खारिज करते समय मुकदमों की जल्दी सुनवाई तय करे हैं।

ऐसा नहीं हो सकता और सिर्फ इस आधार पर जमानत से इंकार करे कि मुकदमे का निपटारा शीघ्रता से होगा। मुकदमे की सुनवाई की सीमा का ऐसा निर्धारण केवल बहुत ही असाधारण मामलों में किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि फरवरी में न्यायमूर्ति ओका की अध्यक्षता में संविधान पीठ के फैसले में कहा गया था कि अदालतों को किसी अन्य अदालत में लंबित मामलों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित करने से बचना चाहिए।

महिला सुरक्षा पर ममता का एंटी रेप बिल पास.....जल्द जांच और जल्द फांसी

-भाजपा का बिल को समर्थन

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल पास हो गया है। बंगाल में ममता सरकार ने अपराजिता विधेयक को ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना के बाद विधानसभा में पेश किया था। इसके लिए विधानसभा का स्पेशल सत्र बुलाया गया था। ममता सरकार ने बिल को अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक 2024 नाम दिया है। बिल पर बहस के दौरान सीएम ममता ने साल 2020 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में 20 साल की दलित महिला के साथ रेप और 2013 में बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले में एक कॉलेज छात्रा की रेप और बर्बर हत्या के साथ ही जयपुर में एक सरकारी अस्पताल में एक बच्ची के रेप का जिक्र किया। ममता ने कहा भाजपा शासित यूपी और गुजरात जैसे राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर असामान्य रूप से ज्यादा है। वहां न्याय नहीं है, लेकिन बंगाल की महिलाओं को अदालतों में न्याय मिलेगा।

कानून तत्काल प्रभाव से लागू हो

बिल पेश होने के बाद नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि यह कानून तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया जाए। बिल को लागू करवाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। हमें परिणाम चाहिए।

एंटी रेप बिल के बारे में जानिए सबकुछ

- इस बिल के भीतर रेप और हत्या करने वाले अपराधी के लिए फांसी की सजा का प्रावधान।
- चार्जशीट दायर करने के 36 दिनों के भीतर सजा-ए-मौत का प्रावधान।
- 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी।
- अपराधी के मददगार को 5 साल की कैद की सजा का प्रावधान।
- हर जिले के भीतर स्पेशल अपराजिता टास्क फोर्स बनाए जाने का प्रावधान।
- रेप, एसिड, अटैक और छेड़छाड़ जैसे मामलों में ये टास्क फोर्स लेगी एक्शन।
- रेप के साथ ही सिड अटैक पर भी आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान।
- पीड़िता की पहचान उजागर करने वालों के खिलाफ 3-5 साल की सजा का प्रावधान।
- अपराजिता बिल कैसे बनेगा कानून?
- अपराजिता विधेयक को पारित होने के लिए राज्यपाल, राष्ट्रपति की मंजूरी की जरूरत होगी। विधानसभा में अपराजिता बिल पारित होने के बाद हस्ताक्षर के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। इसके बाद बिल को राष्ट्रपति से मंजूरी मिलना जरूरी है।

कमला हैरिस या ट्रम्प में कौन बनेगा अमेरिकी राष्ट्रपति

आर.के. सिन्हा

भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं।

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन, तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर भी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ़्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की, जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं।

उधर, ट्रम्प का भी अपना एक खास जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016-2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को

समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे कितना गंभीरता से मानते हैं और क्या वह सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है, लेकिन कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम भी कर रहे हैं। उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें?

भारत -अमेरिका संबंध

अब जरा बात कर ले भारत- अमेरिका संबंधों की। तो ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं, इससे भारत-अमेरिका संबंधों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं। दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है। एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार-बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन, इस बार वह संभल कर चल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर- मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए 'सड़कों पर उतर' आए थे। उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे। यह सच है कि अमेरिका में 9/11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9/11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

त्वरित न्याय की जरूरत

त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने का प्रयास किया जाना जरूरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। अदालतों में लंबित मामलों का लंबित होने को हम सभी के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि न्याय की रक्षा करना देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में मौजूद प्रधान न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़.ने कहा कि, यह सुनिश्चित किया जाए कि अदालतें समाज के सभी सदस्यों के लिए सुरक्षित व सहज वातावरण प्रदान करें। इस तथ्य को बदलना होगा कि अदालतों को बुनियादी ढांचा केवल 6.7 फीसद महिलाओं के अनुकूल है। सार्वजनिक मंचों से इस तरह के बातें होना कोई नई बात नहीं है। अदालतों में वर्षों से लंबित मामलों को लेकर मुख्य न्यायाधीश पहले भी कई बार विभिन्न मंचों से बोल चुके हैं। खासकर निचली अदालतों की कार्यशैली, सुविधाओं की कमी, जजों की अपर्याप्त संख्या जैसी समस्याओं का हल खोजने के प्रति सरकारी रवैया बहुत ही ढुलमुल है। वादी व प्रतिवादी तारीख पर तारीख लेते-लेते आजिज आ जाते हैं। कई दफा उनके जीते-जी फैसला भी नहीं हो पाता। केवल अदालतों में ही नहीं, बल्कि अभी तो विभिन्न कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता नाममात्र ही है। न्यायपालिकाङ्क कार्यपालिका से लेकर विधायिका तक महिलाओं के काम करने के अनुकूल स्थितियां होना अभी बेहद चुनौतीपूर्ण है। हालांकि देश भर की अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति और अन्य आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाकर लंबित मामलों को कम करने की भरसक कोशिश की गई है। हां, कोरोना के वक्त जरूर न्यायिक कामकाज में व्यवधान आया, मगर अब नये सिरे से इस बारे में गंभीरता से मंथन होना अच्छा संकेत है। देश की प्रथम नागरिक, प्रधान न्यायाधीश से लेकर कानून मंत्री तक लंबे समय तक लंबित मामलों को लेकर संजीदा हो रहे हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही इस गंभीर समस्या का उचित समाधान खोजने में सफलता प्राप्त हो सकती है। निःसंदेह त्वरित न्याय सुनिश्चित होने से जनमानस में न्यायपालिका के प्रति आस्था बढे]गी। साथ ही मानव श्रम, समय और अनावश्यक धन व्यय में लगाम लगने से व्यवस्था सुविधाजनक हो सकेगी।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाएं

विष्णु अग्रवाल

मानसून का महीना हर किसी को आत्मिक आनंद से सराबोर करने वाला होता है इस समय नील व्योम काली घटाओं के केन्द से बंद मेघो के माध्यम से वसुधा को अपनी असमी स्वर्णिम जलबूंदो से तरबतर करने को उत्साहित व आतुर दिखाई पड़ता है। शीतलता भरी छुअन घुल जाने से प्राणी जगत को भीषण गर्मी से राहत मिलने लगती है।

भले शहर में मिटटी के लोग बारिश में भीग जाने से कतराते हो, लेकिन गांव में तो आज भी बारिश को एक उत्सव व त्योहार के रूप में मनाने व बिंदास होकर खूब भीग जाने की परम्परा जीवित है। यहां तो बारिश के आगाज के साथ ही नग्गे बदन बच्चो की टोलियां में धमा चौकड़ी मचाती हुई देखी जा सकती है। हम मानसून की मस्ती में इतने भी मशगूल नही हो जाए कि वर्षा जल संचयन को ही भूल जाऐ। हाल के वर्षो मे वर्षा जल संचयन को लेकर व्यक्तिगत प्रयासो में कमी आई है। पहले गांवो में वर्षा जल संचयन परंपरा का एक अभिन्न अंग हुआ करता था। दुनिया के सर्वाधिक बारिश होने वाले क्षेत्रो में भारत भी है, यहां हर वर्ष बर्फ पिघलने ओर वर्षा जल के रूप में औसतन 4000 अरब घनमीटर पानी प्राप्त होता है, जबकि यह देश वर्षा जल का 1869 अरब घनमीटर (मतलब सिर्फ 46 प्रतिशत) पानी का उपयोग कर पाता है, बाकी 54 प्रतिशत पानी व्यर्थ में बहकर नदी-नालो के द्वारा समुद्र

में चला जाता है। मणिपुर से भी छोटे इजराइल जैसे देशो में जहां वर्षा का औसत 25 से.मी. से भी कम है, वहां भी जीवन चल रहा है।

वहां जल प्रबंधन तकनीक अति विकसित होकर जल की कमी का आभास नही होने देती, अपितु कृषि से कई बहूमूल्य उत्पादो का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। बारिश के पानी का विभिन्न स्त्रोतो व प्रकल्पों व सुरक्षित व संग्रहित रखना व करना वर्षा जल संचयन कहलाता है। वर्षा जल संचयन वर्षा जल के भंडारण को संदर्भित करता है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में इसका उपयोग किया जा सके। इस तरह व्यपाक जलराशि को एकत्रित करके पानी की किल्लत को कम किया जा सकता है।

भारत में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या है। भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा ह और इस वजह से पीने के पानी की किल्लत बढ रही है सिकुडती हरित पटटी इसका मुख्य कारण है। पेड़ों से जहां पर्याप्त मात्रा में वर्षा हासिल होती है वही यही पेड़ भूमिगत जल का स्तर बनाये रखने में भी अहम् भूमिका निभाते है। लेकिन दुत गति से होने वाले विकास कार्यो ने हमारी हरित पटटी की तेजी से बलि ली है उसी का नतीजा है कि न सिर्फ भूमिगत जल का स्तर नीचे गया है, बल्कि वर्षा में भी लगातर कमी आई है। गौरतलब है कि भारत में दो सौ साल पहले लगभग 21 लाख सात हजार तालाब थे। साथ ही लाखो कुंऐ, बावड़ियां झीलें पोखर और झरने भी हमारे देश की गोदी में हजारो नदियां खेलती थी, किन्तु आज से नदिया हजारो में से केवल सैकड़ो में ही बची है। ये सब नदिया कहां गई कोई नही बता सकता है।

जिस भारत में 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा हो यहां आज स्वच्छ जल का उपलब्ध न हो पाना विकट समस्या है। आज देश में करीब 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे है। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी न मिलने के चलते हर साल जान गंवा देते है। नीति आयोग द्वारा जारी समग्र जल प्रबंन्धन सूचकांक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जिसमें कहा गया है सन 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जायेगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगो के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश की जीडीपी में छह प्रतिशत की कमी देखी जायेगी। वर्षा जल संचयन के लिए वर्तमान में कई वैज्ञानिक व परंपरागत विधिया प्रयोग में लायी जा रही है। यहां कुछ ऐसी ही विधियों व प्रणाली का उल्लेख किया जा रहा है, जो वर्षा जल संग्रह में सहायता कर सकती है।

यह वर्षा जल संग्रहण की सबसे उत्तम व आसान विधि है। इस विधि से संचित पानी को किसी अन्य माध्यम से स्वच्छ किये बिना ही इसका मानवहित में उपयोग किया जा सकता है। बांध परियोजनाओं का सफल निर्माण बारिश के जल को संग्रहित करने में काफी कारगर सबित हो सकता है। बांध जैसे प्रकल्पों में जलराशि को लंबं समय तक बांधकर इसका उपयोग नहरों के माध्यम से सिंचाई के प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है। अगर अब भी हम सचेत नही हुए तो दक्षिण अफ्रीकी शहर केपटाउन की तरह भारत को भी पानी सपने में ही देखने को नसीब होगा हालाकि पूरे विश्व में धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नही है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मानव का दायित्व बनता है कि वो अपने हिस्सा का पानी पहले से ही संग्रहित करके रखे। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और गुजरात के कुछ इलाको ने पारंपरिक रूप से घर के अन्दर भूमिगत टैंक बनाकर जल संग्रह करने का प्रचलन है, इस परम्परा को अन्य राज्यों में लागू कर हम इस गंभीरता को कम कर सकते है। कठोर कानून के द्वारा नदियों में छोडे.जाने वाले अपशिष्ट पर लगाम लगाकर जल प्रदूषण को रोका जा सकता है और वर्षा चक्र को बाधित होने से बचाया जा सकता है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

मुद्दा : ओवर टूरिज्म के खतरे

मनीष कुमार चौधरी

दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या कोविड महामारी से पहले के स्तर पर लौट रही है, कुछ देशों में पर्यटकों की संख्या में बहुत ज्यादा उछाल देखने में आया है। यात्रियों और पर्यटकों की बेहिसाब आवक को देखते हुए कुछ प्रमुख शहर और स्थल अब प्रतिबंध, जुमार्ना, कर और समय-सीमा प्रणाली लागू कर रहे हैं। पर्यटकों की संख्या को कम करने के लिए हतोत्साहित करने के अभियान भी शुरू हो रहे हैं। बार्सिलोना में स्थानीय निवासी पर्यटकों पर पानी छिड़क कर अति पर्यटन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पेन के अन्य हिस्सों जैसे मलागा और कैनरी द्वीप में भी इसी तरह से विरोध प्रकट किया गया। इटली के सिसिली, ग्रीस के सेंटोरिनी, क्रोएशिया के डबरोवनिक और इंडोनेशिया के बाली में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। रोम में ट्रेवी फाउंटेन और स्पेनिश स्टेप्स जैसी लोकप्रिय जगहों पर बैठना प्रतिबंधित कर दिया गया है।

सवाल यह है कि पर्यटकों की इस अनियंत्रित भीड़ के लिए कौन जिम्मेदार है? अति पर्यटन के लिए सोशल मीडिया प्रमुख कारकों में से एक है, जिसने पर्यटन को हॉटस्पॉट में बदल दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, जबकि गंतव्यों की क्षमता सीमित है। लगभग 80 प्रतिशत यात्री दुनिया के

सिर्फ 10 प्रतिशत पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या, जो 2019 में 1.5 बिलियन के शिखर पर थी, 1.8 बिलियन तक पहुंच जाएगी। जिससे पहले से ही लोकप्रिय स्थानों पर और ज्यादा दबाव पड़ने की संभावना है। अकेले बार्सिलोना में एक वर्ष में 1.6 मिलियन निवासियों के मुकाबले 30 मिलियन पर्यटक आए हैं। वर्ष 2023 के पहले तीन महीनों में विदेश जाने वाले लोगों की संख्या 2022 की इसी अवधि की तुलना में दोगुनी हो गई है। वर्ल्ड ट्रैवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार, इस साल पर्यटन क्षेत्र के 7.5 ट्रिलियन पाउंड तक पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी से पहले के स्तर का 95 प्रतिशत है, जबकि पर्यटन उद्योग के 2033 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था का 11.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने का अनुमान है। पर्यटकों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में 14वें स्थान पर है। क्रोएशिया, जिसकी जनसंख्या दिल्ली या मुंबई के एक छोटे से उपनगर जितनी है तथा जिसका क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 2 प्रतिशत से भी कम है वहां 21 मिलियन से अधिक पर्यटक आते हैं। पर्यटकों को आकर्षित करने में दुनिया में अग्रणी खंस में 117 मिलियन पर्यटक आते हैं, जो भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या से साढ़े छह गुना अधिक है। हालांकि भारत में आध्यात्मिक पर्यटन में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ऑडिट कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार 66.4 लाख विदेशी पर्यटक 2022 में तीर्थ स्थलों पर आए। वर्ष 2020 में यह संख्या 10 लाख थी। देश में धार्मिक पर्यटन पिछले पांच साल में प्रत्येक वर्ष 19 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। ट्रेवल ब्लॉगर, टूरिज्म हैंडल्स धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के प्रचार में अहम कड़ी बने हैं, जिसके कारण युवाओं का रुझान धार्मिक स्थलों की तरफ बढ़ा है। देश में धार्मिक पर्यटन करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। साल 2030 तक यह आंकड़ा 10 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। गौरतलब है कि भारत में 60 फीसद से अधिक पर्यटन धार्मिक और आध्यात्मिक जगहों से जुड़ा है। पर्यटक स्थलों तक आसान पहुंच ने भी अति पर्यटन को हवा दी है। इंटरनेट से लेकर स्मार्टफोन तक तकनीक में नवाचारों ने अनिगनत तरीकों से हमारे जीवन में क्रांति ला दी है, जिसमें यात्रा भी शामिल है। सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण कम देखे जाने वाले स्थल रातों-रात बड़े पैमाने पर पर्यटन के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं, जिससे ओवर टूरिज्म के साइड इफेक्ट नजर आने लगे हैं। ओवर टूरिज्म ने दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय स्थलों के मूल चरित्र को ही बदल दिया है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण भीड़-भाड़ और अव्यवस्थित यातायात, कूड़ा-कचरा, प्रदूषण के चलते स्थानीय संस्कृति व पर्यावरण का ह्रास होता है।

पर्यटकों के कारण स्थानीय स्तर पर भले ही रोजगार बढ़े, पर जीवनझ्रयापन का खर्च इतना बढ़ जाता है कि वहां के स्थानीय निवासी महंगाई से जूझते रहते हैं। यात्री इसलिए आते हैं क्योंकि वे कुछ अलग देखना चाहते हैं और किसी अन्य संस्कृति में अंतर्दृष्टि की तलाश में होते हैं, लेकिन अति पर्यटन से गंतव्य की प्रामाणिकता और आकर्षण खो जाता है तथा एक सांस्कृतिक विभाजन पैदा होता है। यात्रा और पर्यटन के कुछ अनुशासन व सीमाएं होती हैं, लेकिन यात्री जब छुट्टी पर जाते हैं, तो यह उनकी जगह नहीं होती, उनका समुदाय नहीं होता, इसलिए वे अपने स्वभाव से अलग व्यवहार करते हैं। कुछ माह पहले एक आयरिश पर्यटक ब्रुसेल्स में एक पुनर्निर्मित मूर्ति पर चढ़ गया, जिससे 19 हजार डॉलर का नुकसान हुआ। पर्यटकों का इस तरह का अनियंत्रित व्यवहार कई जगहों पर आम-सा हो गया है। अति पर्यटन स्थानीय निवासियों में ज्यादा पर्यटक विरोधी भावनाएं पैदा करता है। किसी गंतव्य पर मौजूदा सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर खुद को शिक्षित करना ही आपको अधिक जागरूक पर्यटक बनाएगा।

कथित प्रधान संगठन ने नोटिस चस्पा कर पत्रकारों को दी धमकी तो राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने लिया संज्ञान जिला इकाई फतेहपुर ने जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर की कार्रवाई की मांग

चस्पा नोटिस को लेकर आक्रोशित दिखे पत्रकारो ने प्रधान संघ मुदार्बाद के लगाए नारे

संस्कार उजाला

फतेहपुर अमौली विकासखंड परिसर में पत्रकारों को लेकर एक विवादित पर्चा चस्पा किया गया है जिससे क्षेत्रीय व पूरे जिले के पत्रकारों में आक्रोश पैदा कर दिया है अमौली ब्लाक मुख्यालय में प्रधान संघ के एक अध्यक्ष के नाम से नोटिस चश्पा किया गया है जिसमें पत्रकारों को ब्लॉक परिसर में कुर्सी पर बैठने से मना किया गया है इस नोटिस में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि अगर कोई भी पत्रकार ब्लॉक मुख्यालय में कुर्सी पर बैठेगा तो उसकी बेइज्जती की जाएगी कथित प्रधान संगठन के इस फरमान के बाद क्षेत्रीय व पूरे जनपद के पत्रकारों में आक्रोश उन्हें लगता है कि यह नोटिस न केवल उनकी स्वतंत्रता पर आघात है बल्कि उनके कार्यों को बाधित करने का प्रयास है पत्रकारों का कहना है कि वह ईस तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं है और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे किसी कडी में आज पत्रकारों के कई संगठन सहित हजारों

पत्रकारों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपते हुए कथित प्रधान संघ जिम्मेदार खण्ड विकास अधिकारी के ऊपर कारवाई की मांग की है गई है आज ज्ञापन देने के क्रम में प्रमुख रूप से खागा प्रेस क्लब अध्यक्ष रितेश पांडे, पूर्व अध्यक्ष सरोज पांडे पवन कुमार श्रीमाली राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जिला अध्यक्ष संजय पटेल अनूप कुमार चंदन सिंह चौहान उमेश तिवारी सुनील कुमार गुप्ता ह्रदेश प्रताप सिंह ज्ञानेंद्र सिंह बृजेश कुमार सुशील कुमार त्रिपाठी आदि सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहे इनसेट जबकि कथित प्रधान संगठन के अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल के खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं जैसे की अवैध शराब को लेकर पूर्व पुलिस अधीक्षक फतेहपुर राहुल राज के दिशा निर्देशन पर थाना अध्यक्ष चांदपुर के द्वारा अवैध शराब की छापेमारी करने पर 20 लाख की शराब बरामद की गई थी इसके अलावा पेड़ लगाने को लेकर एक जमीनी विवाद में भी कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं अगर जांच की जाए तो और भी कई हो सकते हैं बड़े खुलासे अब बड़ा सवाल यह उठता है कि एक अपराधी किस्म का व्यक्ति को ब्लॉक परिसर में इस तरह की नोटिस चश्पा करने का अधिकार किसने दे दिया जबकि वहीं सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ लगातार अधिकारियों को आदेश पर आदेश दे रहे हैं कि पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा के प्रति किसी प्रकार का खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अगर एक अपराधी किस्म के व्यक्ति के द्वारा ऐसा शर्मनाक कृत्य किया गया है तो कहीं ना कहीं शासन व्यवस्था को चुनौती देने का काम किया गया है

ढाई साल में ही दादों राजमऊ रोड टूटकर बना खंडहर बालकिशन

संस्कार उजाला

न्यूज अलीगढ़ गंगीरी ब्लॉक के क्षेत्र दादों राजमऊ रोड बायां जिरौली आलमपुर मार्ग ढाई साल में ही टूट कर खंडहर बन गया जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए और आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है उपाध्यक्ष बालकिशन यदुवंशी ने बताया दादों राजमऊ रोड बायां जिरौली आलमपुर मार्ग को अभी पंचवर्षी भी नहीं हुई और रोड टूटकर बरसात के पानी में बह गया लोगों ने सोशल मीडिया पर खूब तस्वीर वायरस की किसान कामगार मोर्चा अध्यक्ष अनिल क्रांतिकारी ने बताया ठेकेदार अधिकारियों से मिली भगत करके बड़े पैमाने पर पैसा कम कर जनता को गुमराह करके रोड बनकर चले जाते हैं और रोड को बनते समय लोग आवाज उठाते हैं तो लोगों को धमकाया जाता है रोड टूटा देखकर ग्रामीणों में आक्रोश है काफी हादसा हो चुके हैं बालकिशन भाई ने बताया रोड का डामरीकरण कराया जाए या फिर नया डलवाया जाए जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में आसानी हो सके और परेशानी का सामना न करना पड़े

बांदा में चला सघन डेगू बचाव अभियान

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा जनपद में मंगलवार को जिला मलेरिया अधिकारी पूजा अहिरवार की अध्यक्षता में तुलसी विहार कालौनी कालू कुआं में सघन डेगू बचाव अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत मलेरिया विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने घर-घर जा कर डेगू फेलाने के लिये उत्तदायी एडीज मच्छर लार्वा सर्वे किया सर्वे में मच्छर लार्वा धनात्मक पाये गये पात्रों खाली कराया गया। आडियों क्लिप चलाकर एवं पम्पलेट् वितरण कर डेगू तथा अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव के सम्बन्ध में लागों को ह्यह्यक्या करे क्या न करेह्यह्य के बारे में जगरूक किया तथा क्षेत्र में बुखार के रोगी मिलने पर 12 रोगियों की मलेरिया जॉच की गई। जिला मलेरिया अधिकारी बांदा द्वारा डेगू एवं अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव के बारें ह्यह्यक्या करे क्या न करेह्यह्य के बारे में बताया कि- बुखार होने पर क्या करें सामान्य बुखार होने पर नजदीक के राजकीय चिकित्सालय /प्रा0स्वा0केन्द्र सामु0स्वा0केन्द पर रक्त की जांच एवं उपचार अवश्य करायें। कोई भी बुखार डेगू, मलेरिया हो सकता है। घर के कूलर बाल्टी घडे. तथा ड्रम का पानी साप्ताहिक अन्तराल पर बदलते रहें। घर के आस पास एवं गड्ढों में पानी एकत्रित न होने दे। पानी एकत्रित होने वाले स्थानों को मिट्टी से भर दे,यदि सम्भव न हो तो कुछ बूंद जले हूए मोबिल आयल को अवश्य डाल दे। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। शरीर पर मच्छर निरोधक क्रीम /नीम तथा सरसों के तेल का लेप खुले भागों पर लगायें। नीम की पत्ती का धुआं करें। क्या न करें घर के आस पास छत पर तथा आंगन में पडे. पुराने बर्तनों,टायर,कूलर फूलदान,गमले में पानी इकट्ठा न होने दें। पशु पक्षियों के पीने के लिये रखे पानी के पात्रों को नियमित साफ रखे। पास कूड़ा एकत्रित न होने दें एवं सफाई पर ध्यान दें। घर में यदि बुखार का रोगी है तो उसे बिना मच्छरदानी के न रहने दें अथवा ऐसे कमरें में रोगी की देखभाल करें जिसके खिड़की तथा दरवाजे पर जालियां लगी हों। बुखार का रोगी बिना रक्त की जांच कराये दवा का इस्तेमाल न करें तथा खाली पेट दवा न खाये। उक्त डेगू बचाव कार्यक्रम में सहायक मलेरिया अधिकारी विजय बहादुर, एस०एल०टी० बृज विहारी, मलेरिया निरीक्षक राज कुमार, परीक्षित द्विवेदी, भानू प्रताप सिंह एवं फाइलेरिया निरीक्षक गोपाल यादव, दिलीप कुमार, एच०एस० राकेश कुमार खरे एवं समस्त फील्ड स्टाफ मलेरिया कार्या० उपस्थित रहे।

महिलाओं को लैंगिक शोषण, आत्मनिर्भरता एवं लैंगिक शोषण से बचाव के सम्बंध में किया गया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजनअ

संस्कार उजाला

ब्यूरो बांदा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिला जज / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण- बांदा डा० बब्बू सारंग के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा के तत्वावधान में मंगलवार 03 सितंबर 2024 को (ढडरल) महिलाओं को लैंगिक शोषण से सुरक्षा प्रदान किये जाने तथा आत्मनिर्भर बनाये जाने एवं लैंगिक शोषण से बचाव के सम्बंध में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन विकास खण्ड परिसा (ब्लाक) महुआ में किया गया। विधिक जागरुकता शिविर की अध्यक्षता श्रीपाल सिंह, अपर सिविल जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा द्वारा की गयी। विशिष्ट अतिथि के रुप में मुनि कुमार सिंह, अपर सिविल जज (जू०डि०)-बांदा उपस्थित रहें। श्रीपाल सिंह, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण- बांदा ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी पुरुष द्वारा किसी महिला की इच्छा या सहमति के विरुद्ध उसके कार्यस्थल पर बलात्कार, यौन यातना व क्रूरता के साथ बनाया गया शारीरिक सम्बंध अथवा हत्या या चोट का भय दिखाकर दबाव में यौन सम्बंध के लिये किसी महिला की सहमति हासिल करना एवं 18 वर्ष से कम आयु की किसी महिला के साथ उसकी सहमति या बिना सहमति के यौन सम्बंध बनाना बलात्कार की श्रेणी में आने वाले गम्भीर अपराध है। इसके लिए आई०पी० सी० की धारा-376 अथवा पावसो अधिनियम के अन्तर्गत न्यूनतम् सात वर्ष व अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्राविधान है तथा क्रूरता के साथ बलात्कार कर हत्या करने पर मृत्युदण्ड का भी प्राविधान है। मुनि कुमार सिंह, अपर सिविल जज (जू०डि०) बांदा ने अपने वक्तव्य में कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 के अन्तर्गत ऐसी घटनाएं होने पर अभियुक्त को तीन वर्ष से सात वर्ष तक की सजा व जुमार्ने का प्राविधान है। अभियुक्त के विरुद्ध आई०पी०सी० की धारा 354 के अन्तर्गत दाण्डिक कार्यवाही भी की जा सकती है। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन शोषण से रोकथाम व पॉक्सो एक्ट-2012 के सम्बंध में कहा गया कि 18 वर्ष से कम आयु की किसी महिला के साथ बलात्कार होने पर आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम-2013 के अन्तर्गत 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष तक की सजा एवं मृत्युदण्ड तक का प्राविधान है। इस अधिनियम के तहत कुछ नये प्राविधान भी शामिल किये गये है जैसे बलपूर्वक किसी महिला के कपड़े उतरवाना, यौन संकेत देना, पीछा करना, अवांछनीय शारीरिक स्पर्श, शब्द या संकेत एवं यौन अनुग्रह आदि। इसके अतिरिक्त अपर सिविल जज ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा द्वारा महिलाओं को प्राप्त नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। रमा साहू-प्रबन्धक, वन स्टाप सेण्टर, जिला प्रोबेशन कार्यालय बांदा द्वारा अपने सम्बोधन में सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम संकल्प-ल्प्रह के सम्बंध में तथा भ्रूण हत्या के सम्बंध में जानकारी प्रदान की। संकल्प-ल्प्रह के अन्तर्गत कानूनी जानकारियां सरल व सहज भाषा में लोगो को उपलब्ध कराना है जिससे कि बच्चियों को सुरक्षित रखा जा सके। भ्रूण हत्या रोकने के लिए महिलाओं को जागरुक किये जाने की आवश्यकता है जिससे वह पारिवारिक दबाव के समय इसका विरोध कर

सके। उन्होन बताया कि यह बड़े हर्ष का विषय है कि हमारे जनपद में बच्चियों का लिगानुपात बढ़ा है। भारतीय संस्कृति में महिलाओं का गौरवपूर्ण स्थान रहा है। परिवार में बच्चियों के बिना परिवार संतुलित एवं सुखी नही रह सकता। साथ ही उन्होने वन स्टाप सेण्टर द्वारा पीड़ित महिलाओं को प्राप्त अधिकारों व सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं तथा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि के सम्बंध में व्यापक जानाकरी प्रदान की। सुमन शुक्ला, पराविधिक स्वयं सेवक ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश में उचित सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए लड़कियों की शिक्षा आवश्यक हैं। पुरुष और महिला दोनो सामाज में दो सामान पहियों की तरह समानान्तर चलते हैं। इसलिए दोनो ही देश के विकास और प्रगति के महत्वपूर्ण घटक हैं। इस प्रकार जब भी शिक्षा की बात आती हैं तो दोनो को बराबर अवसर की आवश्यकता होती हैं। सुमन शुक्ला द्वारा नि:शुल्क विधिक सेवाओं हेतु संचालित टोल फ्री नं0-15100 के सम्बंध में भी जानकारी प्रदान की। शिविर में प्रियांशी पटेल-सी०डी०पी०ओ०-बांदा, उमा त्रिपाठी मुख्य सेविका, राशिद अहमद डी०ई०ओ०-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा तथा पंकज तिवारी -ब्लाक समन्वयक, महुआ के साथ समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही। शिविर का संचालन सुमन शुक्ला द्वारा किया गया।

पुलिस ने लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपीयों को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

खुटार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहाँ से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था। कि 25 जून को उसकी पुत्री घर में मौजूद नहीं थी। आसपड़ोस में तलाश किया तो पता चला था कि गांव खमरिया गदियाना के ईंट भट्टे पर तांगा से ईंट ढोने वाला सूरज उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर लेकर चला गया था। आरोपी गांव हिम्मतपुर रूरा का रहने वाला है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने गोला बाईपास रोड से बरामद कर ली थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खुटार बंडा रोड स्थित स्थित ईंट भट्टे के सामने मंदिर के पास गिरफ्तार किया है। उधर, एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया था कि 10 जून दिन के करीब 12 बजे वह अपने खेत पर गए थे। इस दौरान सीतापुर के थाना पिसावां के गांव निरहन निवासी सुधीर कुमार उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर लेकर चला गया था। इस मामले में पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की थी। पुलिस ने 12 जून को रिपोर्ट दर्ज कर ली थी।

आपस में मारपीट खुटार पुलिस को दी तहरीर

संस्कार उजाला

खुटार शाहजहांपुर

खुटार खेत पर हुई मारपीट खुटार थाने पहुंचेकर दी तहरीर पुलिस को बताया सोनपाल पुत्र रामकुमार ग्राम रामपुर कलॉ थाना खुटार जिला शाहजहाँपुर का रहने वाला है। करीब 08 बजे प्रार्थी अपने खेत पर पानी लगाने गया था तभी वहाँ पर रामगोपाल उर्फ पालू पुत्र रामभरोसे लाल, बबलू व संजू पुत्रगण रामगोपाल व मधू पत्नी बबलू व अन्य एक महिला सर्वनिवासी ग्राम रामपुर कलॉ थाना खुटार जिला शाहजहाँपुर प्रार्थी के खेत पर आये और प्रार्थी से गाली-गलौज करने लगे जिसका प्रार्थी ने विरोध किया तो उक्त लोग मारपीट करने लगे तथा प्रार्थी को धमकी देते हुये कहा कि उक्त लोगो पर चल रहे मुकदमें से बतौर गवाह अपना नाम वापस ले लो नहीं तो जिस तरह से हमने वेदप्रकाश पुत्र रामभरोस लाल को मारपीट कर उसकी हड्डिया तोड़ी है उसी तरह तुम्हें भी मारेंगे। उक्त लोग प्रार्थी से रंजिश मानते है। उक्त लोगो पर गावें के वेदप्रकाश से जानलेवा हमला कर मारपीट करने का मुकदमा पंजीकृत है जिसमें प्रार्थी बतौर गवाह है। उक्त लोग झगडालू व दबंग किस्म के है जो आये दिन प्रार्थी को किसी न किसी तरीके से परेशान करते रहते है। इस संबंध में पुलिस ने बताया की जांच कर कार्यवाही की जाएगी

भाकियू टिकैत ने आसिफ हत्याकांड में फरार हत्यारोपियों की गिरफ्तारी एवं टिंबर व्यापारी के साथ हुई ठगी का खुलासा करने को लेकर थाने पर धरना किया शुरू

संस्कार उजाला

जिला प्रभारी अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत में बाजार में मजदूर के द्वारा अपनी मजदूरी के पैसे मांगने पर दबंग लोगों के द्वारा ईंट से सिर मे गंभीर को चोट पहुंच कर मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए थे। जिसमें इतना की सूचना पाकर पीड़ित परिजनों के द्वारा नाजुक हालत में आसिफ को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसको हायर सेंटर रेफर किया था। और दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के चलते उसकी मौत हो गई थी। जिसमें पीड़ित परिजनों ने मृतक आसिफ के शव को थाने पर रखकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए पांच लोगों के विरुद्ध तहरीर दी थी। जिसमें पुलिस ने हंगामा होते देख तत्काल प्रभाव से आदिल और शाहनवाज को गिरफ्तार कर जेल

भेज दिया गया था। वही तहरीर में नामजद तीन आरोपी तसव्वर, बब्बू,परवेज, फरार चल रहे हैं। जबकि पुलिस के द्वारा सीसी टीवी कैमरे की फुटेज और सबूतों के आधार पर तीन लोगों को और भी जेल भेज चुकी है। लेकिन पीड़ित परिजनों का कहना है कि उनके द्वारा दी गई। तहरीर में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही है। और मामले में ढुलमूल रवैया अपना रही है। जिसको लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं पद अधिकारी सिम्भावली थाने पहुंचे। और घटना में नामजद फरार तीनो आरोपियों की गिरफ्तारी एवं टिंबर व्यवसाई अकरम के साथ साइबर तो के द्वारा व्यापारी को लोन देने के नाम पर चक में एडिटिंग कर दो लाख बयानवे हजार रुपए निकालने की घटना का खुलासा करने की मांग करते हुए धारण किया शुरू। वही इन दोनों समस्याओं को लेकर किसान यूनियन के कार्यकताओं का कहना है कि जब तक उन्होंने की यह दोनों मांगे पूरी नहीं की जाएगी उनका धरना जारी रहेगा।

आजादी के इतने वर्षो बाद भी सुखारी का पुरवा विकास कार्यों से वंचित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में जन अधिकारों से वंचित मजरा शुखारी का पुरवा अंश नौगंवा में पक्की सड़क बनवाये जाने हेतु ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि हम सब ग्राम सुखारी का पुरवा अंश नौगवाँ परगना व तहसील नरैनी जिला बाँदा के स्थाई निवासी हैं। हमारा मजरा सुखारी का पुरवा अंश नौगंवा बहुत ही इन्टीरियर क्षेत्र में बना हुआ है। वहाँ पर पहुँचने के लिये भाऊ सिंह के पुरवा से कच्चा रोड जाता है जिसकी लम्बाई 4 किमी0 है। सदियों से इसी कच्चे रोड से लोग दु:ख भरी जिन्दगी जीते चले आ रहे हैं आज तक पक्की रोड नहीं बनवायी गयी है। बरसात में गर्भवती महिलाये तथा मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं तथा बच्चों की पढाई का भारी नुकसान होता है। कई बार उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से प्रार्थना की गयी लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी

व नेता हमारे मजरे में झाँकने नहीं आता है, अगर आज कोई बीमार हो जाये तो रास्ते में ही मृत्यु हो सकती है। उक्त कच्चे मार्ग से निकलने में बरसात में ट्रैक्टर मिट्टी में फँस जाता है यहाँ तक कि साइकिल भी मिट्टी में फस जाती है। बरसात में आवागमन पूरी तरह से बन्द हो जाता है। दिनांक 21.08.2024 को उप - जिलाधिकारी, नरैनी को लिखित प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि 07 दिन के अन्दर आपके उक्त रास्ता में मोरम, गिट्टी पडना शुरू हो जायेगी लेकिन 07 दिन के बाद काम न शुरू होने पर दिनांक 02.09.2024 को ग्रामीणों ने पुन: एसडीएम के पास गये तो एस०डी०एम० साहब दिनांक पर दिनाँक दे रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि 05 दिन के अन्दर हमारे गाँव में सड़क में मोरम, गिट्टी आदि का काम शुरू नहीं होता तो इसके बाद हम लोग अशोक लाट के पास आमरण अनशन करने के लिये बाध्य हो जायेंगें। यदि अनशन के दौरान प्रार्थीगण के साथ कोई अनहोनी घटना घटती है तो उसके जिम्मेदार जिलाधिकारी होगें। उपरोक्त विषय समस्या को देखते हुए ग्राम मजरा सुखारी पुरवा नौगांवा की कच्ची सडक मैं अतिशीघ्र मोरम-गिट्टी आदि डलवाते हुए पक्की सडक बनाये जाने की मांग ग्रामीणों ने की है। क्योंकि आजादी के इतने दिन बाद भी उक्त मजरा विकास कार्यो से पूरी तरह से बंचित है। इस दौरान ज्ञापन देने में समाजसेविका शालिनी पटेल के साथ प्रह्लाद, प्रमोद, रामकिशोर, नीरज, मुन्नीलाल, अरविंद, राजकुमार पाठक, श्रीपाल, रोहित पटेल, विनोद कुमार सहित अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

तीर्थ मंदिर के पुजारी ने 7 वर्षीय बच्ची के साथ की छेड़छाड़ स्थानीय लोगों ने मारपीट कर पुजारी को पुलिस को सौंपा

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक मंदिर में पुजारी के द्वारा 7 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ की गई। छेड़छाड़ से उत्तेजित कॉलोनी वासियों ने मंदिर के पुजारी के साथ जमकर की मारपीट। पुजारी के द्वारा क्षमा याचना मांगने के उपरांत भी उत्तेजित लोगों का गुस्सा नहीं हुआ शांत। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मंदिर के पुजारी को हिरासत में लेकर मामले की जांच की शुरू।

विद्युत उपकेंद्र33/11के०वी० धनपुरा पर तैनात एसएसओ,ने कंट्रोल रूम को बनाया बीयर बार

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के सिंभावली ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव धनपुरा में स्थित विद्युत उपकेंद्र 33/11के०वी० गढ़मुक्तेश्वर डिवीजन में तैनात एस एस ओ मैं ड्यूटी के दौरान विद्युत उपकेन्द्र कंट्रोल रूम को बनाया बीयर बार। ऐसे अधिकारियों को न तो अपनी मौत की चिंता है ना अधिकारियों के द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का डर। अब देखना यह है कि विद्युत उपकेंद्र को मयखाना बनाने वाले विद्युत कर्मचारी के साथ क्या विभागीय कार्यवाही की जाती है।

मृतक की पीड़ित पत्नी ने एसपी को शिकायती पत्र देकर पति का पोस्टमार्टम कराने की लगाई गुहार

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/कोतवाली क्षेत्र के गांव बदरखा निवासी पीड़िता ने अपने पति की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के मामले में घटना का खुलासा होने पर उसके दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाने के साथ एसपी का दरवाजा खटखटाते हुए शिकायती पत्र देकर पति का पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। आपको बता दें कि गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के गांव बदरखा निवासी पीड़िता शहनाज ने एसपी कुंवर ज्ञानेन्जय सिंह का दरवाजा खटखटाते हुए तहरीर देकर उल्लेख किया है कि 28 अगस्त को उसके पति सतार को गांव के ही रहने वाले नासिर पुत्र शौकीन, इशरत पुत्र राहत,आकिब अंसारी निवासी अटसैनी के द्वारा घर से फोन करके बुलाया गया था। और इन्होंने बेरहमी से पीट-पीट कर उसको मरणासन्न हालत में पहुंचा दिया था। उसके उपरांत इन्हीं लोगों के द्वारा फोन करके बताया गया कि उसके पति सतार का एक्सीडेंट हो गया है। जिसको लेकर वह अस्पताल गई जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। और इन्हीं लोगों के द्वारा उसको गुमराह कर पोस्टमार्टम नहीं होने दिया और आनन फानन में उसका दफिना करा दिया। वही इस मामले को लेकर पीड़िता को जैसे ही उसके पति सतार के साथ हुई घटना को दिए गए अंजाम का पता चला है वह अपने पति का पोस्टमार्टम कराना चाहती है। जिसको लेकर पीड़िता ने एसपी हापुड़ को शिकायती पत्र लेकर पति का पोस्टमार्टम करने की गुहार लगाई है।

नेशनल हाईवे 9 पर युवक का शव पड़ा मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुटी

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा बक्सर गांव के सामने नेशनल हाईवे 9 पर सड़क किनारे एक युवक का शरीर पर चोट के निशान लगे होने के साथ संदिग्ध परिस्थिति में शव पड़ा मिलने से अफरा तफरी मच गई। मृतक युवक के शरीर पर चोट के निशाने को देखकर देखकर प्रथम दृष्टया युवक की हत्या होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर सभी पहलुओं से मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर थाना प्रभारी विनोद पांडे का कहना है कि घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम के द्वारा साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। और घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत होने के कारण का स्पष्टीकरण हो जाएगा।

नेशनल हाईवे 9 पर एम्बुलेंस और कार की भिड़ंत में चिकित्सक की मौत आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत अल्लाह बक्शपुर कट पर देर रात्रि नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस और अर्टिगा कार की भिड़ंत में एक चिकित्सक की दर्दनाक मौत हो गई। और आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है।और मृतक चिकित्सक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर सभी घायलों के परिजनों को सूचना भेजी गई। बता दें कि हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी निवासी चिकित्सक गुड्डू, अमरोहा निवासी पवन काकाठेर निवासी मरीज जहांगीर को एंबुलेंस से लेकर मेरठ अस्पताल जा रहे थे। उधर दिल्ली से कार में सवार होकर जिला रामपुर के गांव रतनपुर निवासी गुरुदयाल,अमरोहा निवासी आबिद,संभल निवासी दीपक, मुरादाबाद निवासी फिरासत,शकील गुलाम,मुरादाबाद जा रहे थे। जैसे ही गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के गांव अल्लाह बक्शपुर कट के पास पहुंचे। तभी अचानक कार के आगे दो बाइक सवार युवक आ गए। जिन्हें बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एंबुलेंस से टकरा गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि किसी को कुछ समझ पाने का मौका नहीं मिला। जिसमें हसनपुर के गांव लुहारी निवासी 35 वर्षीय चिकित्सक गुड्डू की दर्दनाक मौत हो गई। और आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराते हुए सभी घायलो के परिजनों को सूचना भेजी है।

शिक्षा जगत पत्रकारिता से लेकर वकालत का दंभ भरने वाले अखिलेश सविता का मना जन्मोत्सव

संस्कार उजाला
माधौगढ (जालौन) शिक्षा जगत में विद्यालय खोलकर गरीब बच्चों को शिक्षा की ओर अग्रसर करने वाले वहीं कलम की पैनी ताकत के बल पर लोगों की समस्याओं को उजागर करने वाले एवं वकालत के पेशे से लोगों को न्याय दिलाने में अग्रणी भूमिका अदा करने वाले एडवोकेट अखिलेश सविता वरिष्ठ पत्रकार संचालक ऋषभ पब्लिक जूनियर हाईस्कूल का जन्मदिन केक काटते हुए विधायक प्रजा महेश प्रताप सिंह पतराही के आवास पर जिला योजना समिति के सदस्य अरविंद सिंह सेंगर उर्फ ध्रुव सेंगर के संयोजन में मनाया गया ' दर्जनों लोगों ने मौजूद होकर केक कटवाते हुए तिलक वंदन कर लडडू खिलवाते हुए माल्यार्पण कर जन्मदिन की बधाई एवं शुभाशीष दिया है। विधायक प्रतिनिधि महेश सिंह ने कहा कि अखिलेश जी बडे ही नेक दिल इंसान हैं इन्होने बहुत ही नीचे स्तर से संघर्ष करते हुए आज शिक्षा जगत पत्रकारिता जगत और वकालत में महारथ हासिल की है। मेरा विश्वास एवं शुभाशीष है कि ये

बहुत बडे पैमाने पर तरक्की करेंगे आने वाला इनका निकट भविष्य स्वर्णिम होगा अरविंद सिंह सेंगर जिला योजना समिति सदस्य ने कहा कि श्री सविता जी बडे ही मजे व्यक्ति है। शिक्षा पत्रकारिता और वकालत में गहरा तालुक है। इनकी सेवाएं और ऐश्वर्य बढे मेरी ऐसी इनके जन्म दिन पर दुआ है इस मौके पर मनोज शिवहरे देवेन्द्र सिंह भगवानपुरा योगेन्द्र कुमार प्रजापति रोहित सिंह महेन्द्र गौतम दीपक उदैनिया अजीत उपाध्याय मोनू शर्मा बृजेश कुमार गिरजाशंकर अल्ताफ अंकुर सभासद वनवासी लाल आदित्य प्रताप सिंह जन्मेजय सिंह हरौली अवनीश कुरौंती सुरेश प्रताप सिंह राजावत सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे । ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष पं श्रवण कुमार द्विवेदी शिक्षाविद जिलाध्यक्ष सालिकराम पांडेय और तहसील अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार प्रिंस द्विवेदी आदि ने श्री सविता जी के जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभाशीष दिया है।

मांची पुलिस को मिली बड़ी सफलता, फरार चल रहे 12500/- रुपये का इनामिया अभियुक्त को किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला
ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविंद गुप्ता।
सोनभद्र। थाना मांची पर पंजीकृत मु0अ0सं0-33/2024 धारा-3/5ए/8 गौ वध निवारण अधिनियम व धारा 11 पशु क्रुरता अधिनियम में वांछित अभियुक्त संतोष कुमार पुत्र परमेश्वर धांगर ग्राम सोमा थाना मांची जनपद सोनभद्र लागातार फरार चल रहा था जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी हेतु डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा 12,500/- रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। उपरोक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पुलिस टीम को विशेष निर्देश दिये गये। जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर ने नेतृत्व में जंगल घुसियानी के पास से थाना मांची पुलिस द्वारा वांछित/फरार 12500/- रुपये के पुरस्कार घोषित अभियुक्त संतोष कुमार उपरोक्त को

गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।
गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-
संतोष कुमार पुत्र परमेश्वर धांगर ग्राम सोमा थाना मांची जनपद सोनभद्र ।
गिरफ्तार करने वाली टीम :-
1. थानाध्यक्ष रामदरश राम थाना मांची जनपद सोनभद्र।
2. उ0नि0 संजय कुमार चौकी प्रभारी सुअरसोत थाना मांची जनपद सोनभद्र।
3. उ0नि0 संजय कुमार चौकी प्रभारी पनौरा थाना मांची जनपद सोनभद्र।
4. हे0का0 राजीव कुमार, हे0का0 मनोज कुमार यादव, हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार, हे0का0 महेन्द्र प्रताप सिंह, हे0का0 बृजेश कुमार गौड़, का0 प्रमोद कुमार, का0 दिनेश गौड़ थाना मांची जनपद सोनभद्र।

संक्षिप्त डायरी

नकुड जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्या के निस्तारण के लिए किया स्थलीय निरीक्षण

नगर निगम को 10 दिन के अंदर डीपीआर प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

संस्कार उजाला ब्यूरो
सहारनपुर, जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल द्वारा मै० गौरी इण्टरप्राइजेज, ग्राम कुम्हारहेडा, देहरादून रोड, सहारनपुर के सामने पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण के संबंध में सबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिए कि नाला निर्माण के संबंध में 10 दिन के अंदर डीपीआर प्रस्तुत करें जिससे जलभराव की समस्या का शीघ्रता से निस्तारण कर उद्योग बंधुओं को राहत दी जा सके उन्होंने कहा कि डीपीआर में नाला निर्माण की लंबाई, चौड़ाई, स्लोप, बीच बीच में चेंबर आदि सभी बातों का उल्लेख किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित राजेश महाजन, अपर नगर आयुक्त श्री राजेश कुमार यादव सहित संबंधित अधिकारीगण एवं श्री अनूप खन्ना, श्री अनुपम गुप्ता सहित अन्य उद्यमीगण उपस्थित रहे।

ठेकेदारी हेतु निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र निरस्त

संस्कार उजाला ब्यूरो
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट श्री मनीष बंसल ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट पीलीभींत कार्यालय से प्राप्त पत्र के आधार पर मै0 एम0आई0 कान्स्ट्रक्शन पीलीभींत फर्म के ठेकेदार श्रीमती जाहिदा पत्नी श्री उस्मान हुसैन निवासी ग्राम जिठनिया हर्रायपुर थाना अमरिया जिला पीलीभींत का दिनांक 10.06.2024 को ऑनलाइन चरित्र प्रमाण पत्र आवेदन संख्या 316652440098 निर्गत किया गया था जो अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग पीलीभींत द्वारा उपलब्ध करायी गयी ब्लैक लिस्टेड ठेकेदारों की सूची में नाम अंकित होने के कारण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

तहसीलदार ने जनता दरबार में सुनी फरियादियों की समस्याएं- राजस्व संबंधित शिकायतों का कराया गया निस्तारण

संस्कार उजाला
भवानी सैनी बेहट तहसील सभागार में जनता से सीधा संवाद करने के लिए तहसीलदार प्रकाश सिंह की अध्यक्षता मे जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्व विभाग के कर्मचारी शमिल हुए और जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। तहसीलदार ने शिकायतों को संबंधित कर्मचारियों को सौंपते हुए उनके शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश भी दिए।मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में लेखपालों द्वारा जनता से जुड़ी प्राप्त जैसे जाति सत्यापन, नोड्यूज, विरासत व अन्य प्रमाण पत्रों, जो राजस्व से सम्बन्धित है। जनता से सीधा संवाद करते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनी गई। कुछ समस्याओं का तत्काल निस्तारण कर दिया गया जबकि बाकी शिकायतों को संबंधित कर्मचारियों को सौंपते हुए निस्तारण के निर्देश जारी किए गए। तहसीलदार प्रकाश सिंह ने कहा कि फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण समय से हो जाना चाहिए इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा जनता अपने काम के लिय सीधे अधिकारीयो और कर्मचारियों से मिले ताकि समयबद्ध शिकायतो का निस्तारण हो सके। जिन शिकायती का निस्तारण नहीं हुआ उनका एक सप्ताह के अन्तराल में निस्तारण होना चहिए। सभी शिकायतों की समीक्षा भी की जाएगी। जनता दरबार में राजस्व निरीक्षक बाबू राम,अमृत लाल, गुफरान,अमित गोड, अमर सिंह के अलावा लेखपाल अरविन्द कुमार, शेखर कुमार, परवीन यादव, अनुपम, सुन्दर लाल, आसिफ खान, उत्तम त्यागी,शिवानी जैन, रमिता राणा, मुस्तकीम आदि मौजूद रहे

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत छात्र-छात्राओं एव स्टाफ को स्वच्छता की शपथ दिलाई

संस्कार उजाला
सहारनपुर छुटमलपुर स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अन्तर्गत कालेज प्रांगण में प्रार्थना सभा के अवसर पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को स्वच्छता की शपथ दिलाई।स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत अगले दस दिनों तक अलग-अलग गतिविविध्यों का संचालन होना है इसी कड़ी में प्रथम दिवस ए.एच.पी. इंटर कॉलेज छुटमलपुर प्रांगण में एकत्रित हुए विद्यार्थियों को सहायक अध्यापिका श्रीमती इंदिरा राजेश ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। कॉलेज प्रधानाचार्य ने सम्बोधित करते हुए कहा कि शपथ का उद्देश्य अपने और आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखने से है। सही मायनों में शपथ का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब स्वच्छता को पूर्णतः अपने मन से स्वीकार करेंगे।एनएसएस प्रभारी श्रीमती अर्पणा रूहेला सहित एनसीसी प्रभारी अमित कुमार एवं डीडी शुक्ला ने सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और कॉलेज के प्रत्येक स्थान को साफ-सुथरा रखने का आहवान किया। शपथ ग्रहण के समय भूपेन्द्र सिंह पुण्डीर, विनय शर्मा, राजेश कुमार, राकेश कुमार, आशुतोष बहादुर, अजय शर्मा, ब्रिजेश गुप्ता, श्रीमती अल्पना, मधु, किरण, रीना, दीपाली सहित सम्पूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

बालिका कबड्डी टीम में स्टेट लेवल पर अक्षिता गुप्ता चयनित।

संस्कार उजाला
छुटमलपुर/सहारनपुर राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज छुटमलपुर से बालिका कबड्डी टीम खेलने गई, मंडल स्तर पर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कांधला में बालिका कबड्डी टीम अंडर 14 में अक्षिता गुप्ता का स्टेट लेवल पर हुआ चयन। राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के समस्त स्टाफ व प्रबंधन समिति में खुशी का माहौल। राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रशासक भूपेंद्र सिंह राणा ने अक्षिता गुप्ता का स्टेट लेवल पर चयन होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा स्कूल से अंडर 14 में स्टेट लेवल पर अक्षिता गुप्ता का चयन होने पर स्कूल के लिए नगर के लिए गर्व की बात है, अक्षिता गुप्ता अपने प्रयासों के साथ लगातार आगे बढ़ रही है,पीटीआई सुरेंद्र सिंह की मेहनत, समस्त स्टाफ और अक्षिता गुप्ता के परिवार जनों द्वारा दिया गया भरपूर सहयोग से यह सब संभव हो पाया है विद्यालय में सभी स्टाफ व छात्राओं ने अक्षिता गुप्ता का मुंह मीठा कराया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त डायरी

सहारनपुर 4 सितंबर को नगर निगम के सभी भाजपा पार्षद एस एस पी के यहां गिरफ्तारी देने को तैयार।

संस्कार उजाला
सहारनपुर। दिनांक 3 सितंबर को नगर निगम में उप सभापति मुकेश गक्खड़ व पार्षद दल के नेता संजय गर्ग के नेतृत्व में सभी भाजपा पार्षदों की एक बैठक हुई, जिसमें सभी भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने एकमत होकर यह फैसला लिया है. कि यदि प्रशासन आज रात तक पार्षदों द्वारा दी गई तहरीर पर FIR दर्ज नहीं करता है। तो कल दिन बुधवार दिनांक 4 सितंबर को सभी भाजपा पार्षद सामूहिक रूप से माननीय महापौर जी के निवास पर 10.30 बजे एकत्रित हो कर एस एस पी कार्यालय पर गिरफ्तारी देने जायेंगें।

संस्कार भारती के सौजन्य से बाल गोकुलम 2024 रूप सज्जा प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

संस्कार उजाला
विंध्याचल। रविवार को देर शाम तक संस्कार भारती के सौजन्य से ₹बाल गोकुलम₹ के अंतर्गत कृष्ण रूप सज्जा का प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पंडित रत्नाकर मिश्र जी रहें तो वहीं विशेष उपस्थिति के तौर पर डॉ गणेश अवस्थी जी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता घटा त्रिपाठी ने किया। यह प्रतियोगिता कई वर्गो में किया गया जैसे पहले छोटे बच्चों के लिए लल्ला वर्ग, कान्हा वर्ग, कन्हैया वर्ग, राधा कृष्ण वर्ग, गोविंदा वर्ग आदि वर्गो में 150 प्रतियगियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के साथ कार्यक्रम में पूरी लगन से लगे रहें। इस दौरान मुख्य अतिथि पंडित रत्नाकर मिश्र जी ने कहा कि आज हमारी आने वाली पीढ़ी को संस्कार बिहीन होने से बचाने के लिए अपने पौराणिक कथाओं पर जोर देना होगा और गंगा, गौ और गीता के संदर्भ में अपने बच्चों के संस्कार में लाना चाहिए यही नहीं आज संयुक्त परिवार का विघटन होना संस्कार को खत्म करना तथा हमारी एकता और अखंडता को खत्म करने में लगी है यह सभी कार्य पाश्यात्य सभ्यता का देन जबकि आज पूरी दुनिया हमारी (भारत) सभ्यता को अपना रहा है और हम लोग पश्यात सभ्यता के पीछे भागकर संयुक्त परिवार को तोड़ दिए है। इसलिए हम अपने बच्चों को मयार्दा पुरुषोतम भगवान श्री राम चंद्र जी के रामलील के बारे में बताना और दिखाना चाहिए उसी तरह भगवान श्री कृष्ण के जीवन के बारे में जानने के लिए हमें कृष्णलीला को भी देखना और जानना चाहिए। इससे हमारी सभ्यता और संस्कार बरकरार रहेंगे। इसी कड़ी में इंजीनियर आशीष सिंह जायसवाल ने कहा कि हमें वर्ष में ऐसे कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी इनके बारे में भली भांति जानती और पहचानती रहे। ऐसे कार्यों के लिए हम सबको आगे आना चाहिए। मैं ऐसे कार्यक्रम के लिए सदैव सहयोग करता रहूंगा। नागरिक अभिनंदन नव मनोनित सोहन लाल श्रीमाली उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग भी कार्यक्रम में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान काशी प्रांत अध्यक्ष श्री गणेश प्रसाद अवस्थी, जिला अध्यक्ष उर्मिला श्रीवास्तव,कार्यक्रम संयोजक शिवराम शर्मा, सह संयोजक अश्वनी पांडे सहमहामंत्री सोमेश्वर पति त्रिपाठी, निर्णायक मंडल में सुशील पांडेय, अगस्त्य द्विवेदी, रेखा गौड़, कनक तिवारी, अनिता शर्मा आयोजक मंडल में रामलाल साहनी, राकेश वर्मा, राम धनी पाल, कृष्ण कुमार अग्रहरी, राम प्रसाद, संजय श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहें।

आस्था और आदित्य बने विद्या मंदिर के प्रधानमंत्री, समय और संयम से प्राप्त करें लक्ष्य- रमेश सिंह यादव।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।
ओबरा/सोनभद्र। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रे संसद एवं कन्या भारती को शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना से हुई। शपथ ग्रहण समारोह में छात्रे संसद एवं कन्या भारतीं के पदाधिकारियों एवं सांसदों को कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन की शपथ दिलाई गयी। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय एथलीट रमेश सिंह यादव ने छात्रे संसदे के प्रधानमंत्री आदित्य सिंह एवं कन्या भारती की प्रधानमंत्री आस्थो को शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही राजकीय कन्या इंटर कालेज की प्रधानाचार्य डॉ भावना शुक्ला ने मंत्रियों को तथा विशिष्ट अतिथि छात्र नेता अखिलेश जिज्ञासु ने सदस्यों एवं उप मंत्रियों को शपथ दिलायी।इससे पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्ये वंशधारी ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि रमेश सिंह यादव ने छात्रों को समय और संयम से अपने जीवन को व्यवस्थित कर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने मंत्रिमंडल से संसदीय मयार्दा का पालन करते हुए व्यक्तिगत दायित्वों के साथ विद्यालय हित में कार्य करने की प्रेरणा दी। कहा कि बचपन से ही लोकतंत्र के प्रति आस्था और जिम्मेदारियों का अहसास कराने के लिऐ छात्रे संसदे का गठन सकारात्मक प्रयास है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ भावना शुक्ला ने छात्रे संसदे के पदाधिकारियों को दायित्वों का बोध कराते हुए कहा कि जिस प्रकार से विधायक और सांसद चुनकर राज्य और देश की विकास व सुरक्षा की व्यवस्था का दायित्व सँभालते है ठीक उसी प्रकार ये भैया बहिन भी विद्यालय की तरक्की एवं व्यवस्था को संचालित करने में सहयोगी बनेगे।अंत में विज्ञान प्रमुख आचार्य हरिश्चंद्र गुप्त ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य योगेन्द्र त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर संतोष आचार्य,प्रेमचंद,जितेश्वरे मुखर्जी, मनोज,बहादुर,अंजलि एवं सरोज आदि शिक्षक गण एवं छात्र मौजूद रहे।

धन्य है अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब पत्रकार ताज मलिक अमरोहा

☛अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब की राष्ट्रीय स्तरीय उच्च करवाई से मिला पत्रकार ताज मलिक को इंसाफ पत्र लिखकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहारनपुर से लगाई थी मदद की गुहार
☛समाचार प्रकाशित करने पर अल्ट्रासाउंड एवं मेडिकल संचालकों ने पत्रकार ताज मलिक के साथ की थी मारपीट जिसमें उन्हें काफी चोटें आई

☛दबंगों ने एक उप निरीक्षक को घूस देकर हटवाई धारा 307 यानी (109) अखिल भारतीय पत्रकार

☛प्रेस क्लब की उच्च स्तरीय कार्यवाही से दोबारा एसपी ने लगवाई धारा 109 और मामले की गंभीरता से जांच के भी निर्देश आरोपियों में मची खलबली

संस्कार उजाला ब्यूरो
लखनऊ। सहारनपुर जिला अध्यक्ष डी०के भारद्वाज राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक शर्मा अजीत त्यागी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद चौहान, एवं राष्ट्रीय संरक्षक कैप्टन सुभाष चंद्र योगी नीटू सैनी सहित अन्य पदाधिकारी ने एसपी से लेकर डीआईजी एवंम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ जी के दरबार तक पहुंचा पत्रकार ताज मलिक प्रकरण में रात भर घन-घनाती रही उच्च अधिकारियों की घंटी वही दबंग आरोपियों ने षड्यंत्र के तहत दर्ज करना चाहा पत्रकार ताज मलिक पर

मान्यता प्राप्त शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन

संस्कार उजाला
भवानी सैनी बेहट। क्षेत्र के सरस्वती बाल विद्यालय कम्बोहमजरा में मान्यता प्राप्त शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष राजेश काम्बोज व महामंत्री अमित सैनी ने कहा कि सरकार को चाहिए कि समान कार्य के लिए समान वेतन की नीति अपनाते हुए मान्यता प्राप्त विद्यालयों को अनुदानित करने का कार्य करे। मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक भी परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के समान कार्य कर सरकार के सर्व शिक्षा अभियान को सफल बनाने का कार्य कर रहे है। बैठक को

संबोधित करते हुए ब्लाक उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने कहा कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों में मिलने वाला त्रिभाषा अनुदान भी सरकार ने बंद कर विद्यालयों को आर्थिक दुविधा में डाल दिया है। उन्होंने विद्यालयों संचालकों से आह्वान करते हुए कहा कि बिना टीसी या नोडूज प्राप्त किये अन्यत्र विद्यालयों से आने वाले बच्चों का नामांकन कदापि न करे। प्रत्येक अध्ययनरत छात्र/ छात्रा का नामांकन पोर्टल पर अवश्य अपडेट करे। बैठक में संगठन की मजबूती पर बल देते हुए ब्लाक कोषाध्यक्ष तेगराम शर्मा ने कहा कि विद्यालय संचालक 30 सितम्बर तक संगठन का सदस्यता शुल्क जमा कराना सुनिश्चित करे। इच्छुक अन्य विद्यालय संचालक संगठन के नियमों का पालन करते हुए संगठन की सदस्यता के लिए 30 सितम्बर तक आवेदन कर सकते है।बैठक में पंकज सैनी, कुलदीप सिंह, योगेन्द्र सिंह, अवनीश काम्बोज, दीपक कुमार, सुखदेव सिंह, शिव कुमार, संदीप कुमार, संजय कुमार, बिजेन्द्र सिंह, पंकेश काम्बोज, अंजू सैनी, मोनिका पंवार, काजल आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस द्वारा चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।
सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं/बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान ह्यह्यमिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी/महिला बीट आरक्षियों/एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बीट/गांव/स्कूल/कॉलेज में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा ह्लमिशन शक्तिह्व के सम्बन्ध में सभी बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक

किया, उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन्हें मनचलों, अराजक तत्वों से निपटने तथा आत्मरक्षा करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षात्मक गुण सिखाये गये इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झ्रमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ, 102-स्वास्थ्य सेवा, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया ।

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र द्वारा परेड की ली गई सलामी।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।
चूर्क/सोनभद्र। कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया । निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई । निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा पुलिस लाईन चुर्क के परिवहन शाखा में कतार में खड़ी सभी वाहनों का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात भोजनालय कक्ष में पहुचकर पुलिसकर्मियों हेतु बने भोजन को स्वंय

खाकर भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया, तदोपरान्त पुलिस बैरकों व आवासीय परिसर का निरीक्षण कर सम्बंधित को मरम्मत और साफ-सफाई आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

दिनेश यादव की अध्यक्षता में शिक्षामित्र संघ की आवश्यक बैठक हुई संपन्न

संस्कार उजाला
कुठौद जालौन, विकासखंड कुठौद क्षेत्र के अंतर्गत आज दिनांक 2 सितम्बर को बीआरसी मदारीपुर में दिनेश यादव की अध्यक्षता में शिक्षा मित्र संघ की आवश्यक मीटिंग संपन्न हुई जिसमें काशी प्रसाद राठौर ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा निर्णय लिया गया कि 5 सितंबर में समस्त शिक्षा मित्र मानव संपदा पोर्टल पर अवकाश लेकर अपने संगठन के आव्हान पर अपनी मांगों को लेकर लखनऊ में आंदोलन हेतु ब्लॉक से समस्त शिक्षा मित्र प्रतिभाग करेंगे और इस महाआंदोलन को सफल होने तक लखनऊ में ही उपस्थित रहेगें। मीटिंग में उपस्थित अ' शुक्ला,जितेंद्र जी, नीलम जी संध्या जी, राधाजी,अवधकुमारी, अशोक सक्सेना, तिलक चंद्र संध्याकुशवाहा,रश्मि,कुशुम,क्षमा,मिथलेश अनुराधा,अखलेश, रामबहादुर,सीमा जी,राधा , अंजला,कुशलकुमारी,यादुवेंद्र सिंह उमाकांत आदि उपस्थित रहे। संचालनअजय निषाद ने किया।

केएम में रोजाना हो रहे है फेको विधि से निःशुल्क ऑखों के ऑपरेशन

केएम हॉस्पिटल में पूरे साल चलता है निःशुल्क कैम्प, फ्री होते है मोतियाबिन्द के ऑपरेशन

मथुरा। मोतियाबिंद एक ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसका सही समय पर इलाज कराना बहुत जरूरी है। नहीं तो धीरे-धीरे पुरानी होकर यह बीमारी आंखों को अधिक नुकसान पहुंचाती है। आंख की रोशनी जाने का भी खतरा बना रहता है। ऐसे में डाक्टर समय रहते इसका इलाज करवाने की बात कहते हैं। इसके बावजूद कई ऐसे लोग हमारे आस-पास रहते हैं जो जानकारी के अभाव या ठीक समय पर अस्पताल न पहुंच पाने की वजह से इलाज से वंचित रह जाते हैं। अब फेको विधि से आंखों के ऑपरेशन केएम मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल में किए जा रहे है। यह बात हॉस्पिटल के नेत्र विभागाध्यक्ष डा. एमके तनेजा ने नेत्र कैम्प के दौरान कही। उन्होंने कहा कि केएम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में फेको विधि से निःशुल्क ऑपरेशन हो रहे है, रोजाना तीन-चार ऑपरेशन कर मरीजों को आंखों की रोशनी प्रदान की जा रही है। इस विधि से किए गए ऑपरेशन में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। टॉपिकल माइक्रो फेको आंखों के सफेद मोतियाबिंद के उपचार की एक अत्याधुनिक तकनीक है। इसमें किसी प्रकार के बड़े चीरे की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन की इस विधि के दौरान आंख में महज 2.8 एमएम का एक बारीक छेद किया जाता है, जिसके माध्यम से सफेद मोतिया को आंख के अंदर ही घोल दिया जाता है और इसी के माध्यम से ही फोल्डेबल लेंस को आंख के अंदर प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। नेत्र

रोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मेमंशा माहेश्वरी ने बताया कि सामान्य ऑपरेशन आंख के आसपास इंजेक्शन लगाकर उसे सुन्न करके किया जाता है, ताकि आंख स्थिर रहे। इससे मरीज को दर्द भी होता है और इंजेक्शन से कुछ नुकसान भी हो सकता है। टॉपिकल माइक्रो फेको बिल्कुल आधुनिक तकनीक है। इसमें किसी प्रकार का इंजेक्शन नहीं लगाया जाता। केवल ऊपर से कुछ बूंद दवा डालकर ऑपरेशन शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि बिना दर्द हुए इस ऑपरेशन के बाद मरीज को किसी प्रकार की पट्टी भी बांधनी नहीं पड़ती और वह ऑपरेशन के तुरंत बाद देखने लगता है। मरीज को अस्पताल से तुरंत छुट्टी भी दे दी जाती है और किसी प्रकार का परहेज भी जरूरी नहीं है। केएम हॉस्पिटल के एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरपी गुप्ता ने बताया केएम में फंडस कैमरा, ओसीटी तथा ग्रीन लेजर जैसी अत्याधुनिक मशीनों के होने से यहां सफेद मोतियाबिंद, काला मोतियाबिंद तथा आंखों के पर्दे (रेटिना) से पीड़ित मरीजों का आसानी से आपरेशन और उपचार सम्भव हो पाता है। यहां स्पेशलिस्ट चिकित्सक और लेटेस्ट मशीनें होने से किसी भी तरह की आंखों की परेशानी का उपचार सहजता से सम्भव है। विगत सप्ताह में हुए एक दर्जन सफल ऑपरेशन को लेकर केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी ने नेत्र रोग विभाग की डाक्टर टीम को बधाई दी है। सफल ऑपरेशन में नेत्र विभाग की डा. अर्पिता, डा. पंकज गायकवाड़, डा. रवि, डा. परिधि, डा. दिलिशा, डा. आयुष, डा. नितिन, डा. हिमानी का विशेष सहयोग रहा।

मकान के गिर जाने के कारण मृतक बच्ची की मां से मिला समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल

मथुरा। विगत दिनों मथुरा नगर की नई बस्ती डीग गेट क्षेत्र में रात्रि को एक मकान के गिर जाने के कारण 3 वर्षीय बच्ची का निधन हो गया तथा अन्य परिवारजन पूरी तरह से घायल हुए मृतक बच्ची की मां श्रीमती रुखसाना पत्नी श्री आस मोहम्मद जिला अस्पताल में भर्ती है आज समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र यादव जी के नेतृत्व में जिला अस्पताल जाकर घायल पीड़ित परिवार से मिला अस्पताल में भर्ती मृतक बच्ची की माँ रुखसाना की हालत अभी नाजुक बनी हुई है प्रतिनिधि मंडल में रुखसाना व पीड़ित परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करके दुख की इस घड़ी में उनकी हर संभव मदद का आश्वासन दिया उन्हें तत्पश्चात प्रतिनिधि मंडल ने सीएमएस से मिलकर घायल पीड़ितों के इलाज के लिए मुकुल इंतजाम की आवश्यकता की बात की प्रतिनिधि मंडल में सीएमएस के कहा कि पीड़ित भारती बेहद गरीब और कमजोर है उनकी समस्त दवाएं व उपचार की साथी इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने मृतक बच्ची के परिवारजनों की जिला प्रशासन से अधिक से अधिक मुआवजा देने की मांग की साथ ही प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम नगर आयुक्त से पीड़ित परिवार की जमीनों मकान के पुनर्निर्माण की मांग की अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव जिला महासचिव सुभाष पाल पूर्व महानगर अध्यक्ष डॉक्टर अबरार हुसैन पूर्व महासचिव रवि यादव अभिषेक पिंटू आसिफ फारूकी आरिफ भाई सतीश पटेल महेंद्र चौधरी सचिन पहलवान आदि उपस्थित रहे

श्रम विभाग मथुरा द्वारा श्रमिकों को दिलायी गयी ग्रेच्युटी की धनराशि

मथुरा। कारखाना मालिकों द्वारा श्रमिकों को सेवा समाप्ति के पश्चात देय हितलाभ ग्रेच्युटी की धनराशि का भुगतान नहीं करने पर श्रमिकों द्वारा सहायक श्रमायुक्त मथुरा के समक्ष वाद योजित किया गया।

सहायक श्रमायुक्त श्री एमएल पाल द्वारा पक्षों के मध्य सुनवाई के उपरान्त निर्णय पारित करते हुए में प्रभात प्रिंटिंग प्रेस के मालिक से श्रमिक डालचंद को रु 166783/-, गिरिराज सुपारी ट्रेडर्स से जुगल किशोर को रु 107145/-एवं भोले बाबा मिल्क फूड इण्डस्ट्री छाता से ।श्रमिक बलबीर सिंह को रु 118800/- की धनराशि का भुगतान कराया गया।

संक्षिप्त डायरी

इंडियन रेलवे की सभी लॉबियों पर अलारसा ने की गेट मीटिंग

पुरानी पेंशन बहाली सहित 10 सूत्रीय मांगों का अलारसा ने दिया ज्ञापन

मथुरा। मंगलवार के दिन मथुरा रेलवे स्टेशन पर आल इण्डिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (अलारसा) की केन्द्रीय कार्यकारिणी की तरफ से इंडियन रेलवे की प्रत्येक लॉबी पर लोको पायलट कैडर के कर्मचारियों के द्वारा गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसका मथुरा जंक्शन लॉबी पर भी लोको पायलट कॉमरेड रजनीश कुमार मीना के दिशा-निदेर्शानुसार आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मथुरा जंक्शन पर उपस्थित सभी लोको पायलट नारेबाजी करते हुए 10 सूत्रीय प्रमुख मांगों का ज्ञापन उच्च अधिकारियों को दिया। जिसमें प्रमुख मांगे कुछ इस प्रकार हैं- 1- वर्तमान पेंशन स्कीम यूपीएस की जगह पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग। 2- लोको पायलट को साप्ताहिक टेस्ट 16+30 घंटे लागू करने की मांग। 3- सभी लोको में एयर कंडीशनर की व्यवस्था की मांग। 4- मालगाड़ी के लोको पायलट से अधिकतम 8 घंटे ड्यूटी तथा मेल, पैसेंजर लोको पायलट की ड्यूटी 6 घंटे से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। 5- हाई स्पीड ट्रेन के संचालन में एक साथ ड्यूटी के लिए कोपायलट को बुक किया जाए ना की वरिष्ठ सहायक लोको पायलट को। 6- रनिंग स्टाफ का डीए के अनुरूप किलोमीटर भत्ता में 25% बढ़ोती की जाए। 7- रेलवे बोर्ड के निदेर्शों के विपरीत सहायक लोको पायलट से लाइन बॉक्स ढ़ोने को मजबूर करना बंद करें, इससे संबंधित नियम विरुद्ध जे.पी.ओ. वापस लिया जाए। 8- बिना प्रॉपर लनिंग के पायलट कराते हुए गाड़ियों का संचालन बंद किया जाए और सभी स्टाफ को प्रॉपर सभी जगहों की प्रॉपर लनिंग करवाई जाए, जिससे आउट ऑफ टर्न बुकिंग से छुटकारा मिले। 9- आगरा मंडल के रनिंग स्टाफ को अन्य मंडलों में गाड़ी संचालन के दौरान लगातार मारपीट का शिकार करवाना बंद किया जाए। 10- मथुरा क्रू से मुख्यालय बाय पास करते हुए ड्यूटी करवाना बंद करें और मथुरा में ही रिलीव किया जाना सुनिश्चित करें। गेट मीटिंग के दौरान मथुरा के लोको पायलटों ने कहा कि मथुरा में लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के द्वारा 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन रेलवे के उच्च अधिकारियों को दिया गया है एवं उन्हें सूचित भी किया गया है। लोको पायलट की ये 10 सूत्रीय जायज मांगे हैं, जिन्हें पूरा किया जाए। मांगे पूरी नही किए जाने पर आगे भी सभी लोको पायलट धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस दौरान वीरेन्द्र शर्मा, गोपाल प्रसाद शर्मा, मैदी लाल मीना, दिनेश तिवारी, विक्रम जरवाल, विक्रम सिंह मीना, बंटी सिंह, पंकज जांगिड़, निखिल उपाध्याय, अनुराग गर्ग, सुनील कुमार, आकाश सहित अन्य लोको रनिंग कर्मचारी भी उपस्थित रहे। गेट मीटिंग आयोजन कार्यकम की व्यवस्था कॉमरेड रामकिशन मीना ने की एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेन्द्र शर्मा लोको पायलट मेल के द्वारा की गई।

छाता, रामलीला महोत्सव 2024 झंडा पूजन विधि विधान से छाता में हुआ

छाता में रामलीला झंडा पूजन हुआ

मथुरा। छाता में भगवान परसोत्तम श्री राम की रामलीला मंचन की तैयारी पूरी हो चुकी है, छाता के पावन मंच से रामलीला शुरू होने से पूर्व शुभ मुहूर्त में दो सितम्बर सोमवार सोमवती अमावस्या के दिन छाता में गठित नवनिर्मित रामलीला कमेटी अध्यक्ष व उसके पदाधिकारी व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि द्वारा रामलीला का झंडा पूजा विधि विधान से किया गया। रामलीला मैदान के प्रसिद्ध स्थल पर झंडा पूजन करते समय सभी राम भक्तों द्वारा भगवान श्री राम , हनुमान जी के जयकारे लगाए गए, इस दौरान चारों ओर का वातावरण भक्ति में हो गया। अक्टूबर में आरंभ होने वाले रामलीला महोत्सव का विधि विधान से झंडा पूजन करते हुए रामलीला के नवनियुक्त अध्यक्ष।

महेंद्र कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि कस्बा छाता में रामलीला की नई कार्यकारिणी का भी हुआ गठन हुआ है। कस्बे की रामलीला कमेटी के तत्वाधान में छाता रामलीला ग्राउंड पर कमेटी के पदाधिकारी तथा राम भक्तों के द्वारा रामलीला का झंडा पूजन किया गया, इससे पूर्व रामलीला कमेटी का चुनाव भी किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से रामलीला कमेटी के पदाधिकारी का चयन किया गया। जिसमें संरक्षक नगर पंचायत प्रतिनिधि फाल्गुन ठाकुर, छाता देहात प्रधान कृष्णकांत,अध्यक्ष महेंद्र कुमार तेलवाले ,प्रबंधक विष्णु कुमार अलवाई वाले ,कोषाध्यक्ष भानु भार्गव, उपाध्यक्ष एड गजेंद्र चौधरी, देशराज सिंह जादौन, उप प्रबंधक तरुण ठाकुर, आयवय्य, निरीक्षक पवन कुमार,मेला प्रभारी अतुल गुप्ता, सह मेला प्रभारी विष्णु पहलवान, सोशल मीडिया प्रभारी आलोक पाठक, मीडिया प्रभारी श्वेतांक, मंचन प्रभारी धीरज भार्गव तथा विशेष आमंत्रित सदस्य भगवान दास को चुना गया। इस संबंध में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र कुमार , कान्हा उर्फ फाल्गुन सिंह व एड गजेन्द्र चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार की रामलीला भगवान श्री राम की असीम कृपा से छाता कस्बे में धूमधाम तरीके के साथ मनाई जाएगी एवं बेहतरीन कलाकारों के द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस दौरान छाता कस्बे के सभी गणमान्य व्यक्ति एवं राम भक्त मौजूद रहे।

जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी ने बताया, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा ग्राम पंचायतें आवेदन करें

मथुरा। बेहतर काम करने पर बलदेव विकासखंड की कंजौली घाट ग्राम पंचायत को शासन से 35 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। इसके अलावा चार अन्य ग्राम पंचायतों को भी पुरस्कार धनराशि प्रदान की गई है। कुल 1.10 करोड़ रुपये का इनाम मिला है। मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत आवेदन करने वाली ग्राम पंचायतों का सात सदस्यीय डीपीएसी (जनपद परफॉरमेंस असिस्मेंट समिति) ने निरीक्षण किया। निर्धारित 9 बिंदुओं पर कराए गए कार्यों की पड़ताल की गई। मौके पर मिले हालात को देखकर समिति ने ग्राम पंचायतों को 100 में से नंबर दिए। परिणाम घोषित होने के बाद बलदेव विकासखंड की ग्राम पंचायत कंजौली घाट को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। पुरस्कार के तौर पर शासन से ग्राम पंचायत के ओएसआर खाते में 35 लाख की पुरस्कार राशि भेजी है। दूसरा स्थान मिलने पर

नंदगांव विकासखंड की कमई ग्राम पंचायत को 30 लाख, तीसरा स्थान मिलने पर मांट विकास खंड की पानी गांव ग्राम पंचायत को 20 लाख, चौथा स्थान मिलने पर छाता विकास खंड की शेरगढ़ ग्राम पंचायत को 15 लाख और पांचवां स्थान मिलने पर चौमुहां की ग्राम पंचायत नौगांव को 10 लाख का पुरस्कार प्रदान किया गया है। इन नौ बिंदुओं पर दिए गए ग्राम पंचायतों को नंबर ग्राम पंचायतों का पुरस्कार के लिए नौ बिंदुओं पर चयन किया गया। इनमें गरीबी मुक्त गांव, स्वस्थ गांव, बाल मैत्री गांव, पर्याप्त जल युक्त गांव, स्वच्छ एवं हरित गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गांव, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, महिला हितैषी गांव के लिए ग्राम पंचायतों को 10 में से नंबर दिए गए। सुशासन गांव की थीम पर ग्राम पंचायत को 20 में से अंक दिए गए। पुरस्कार में मिली धनराशि से होगा गांव का विकास प्रतियोगिता में पुरस्कार जीतने वाली पांचों ग्राम पंचायतों को शासन से मिली धनराशि से ग्राम पंचायतों में विकास कार्य कराने होंगे। इस धनराशि से 1500 वर्ग मीटर में सद्भावना लॉन, 2 कक्ष का ए वेडिंग शेड, महिला और पुरुष शौचालय का निर्माण, ग्रामीण बाजार, विज्ञान भवन, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, ग्राम वाटिका, मिनी खेल स्टेडियम, शिल्पकला केंद्र, ग्राम पंचायत हाट बाजार, अंत्येष्टि स्थल, आरोग्य केंद्र, सार्वजनिक पुस्तकालय, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, ग्राम पंचायत भंडारण कक्ष, स्मार्ट क्लासेज, सोलर शक्ति केंद्र और स्वराज स्थल का निर्माण बजट और जरूरत के अनुसार कराया जा सकता है। सत्र 2024-25 के लिए 1 सितंबर से शुरू होंगे आवेदन मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में इस सत्र के आवेदन एक सितंबर से शुरू हो जाएंगे। जो भी ग्राम पंचायतें इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हैं। वह विभागीय वेबसाइट www.hamaripanchayat.up.gov.in पर आवेदन कर सकती हैं। किसी भी तरह की दिक्कत होने पर जिला पंचायत राज कार्यालय राजीव भवन पहुंचकर डीपीएम राजेश सोलंकी से संपर्क कर सकते हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में पांच ग्राम पंचायतों को पुरस्कार मिला है। 1 सितंबर से इस सत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो जाएंगे।

सपा नोएडा महानगर छात्र सभा द्वारा राजकीय महाविद्यालय सेक्टर 39 में छात्रों से संपर्क के साथ-साथ पर्चा वितरण का कार्यक्रम किया गया.....

संस्कार उजाला

नोएडा सेक्टर 39 स्थित राजकीय महाविद्यालय में नोएडा महानगर छात्र सभा द्वारा अमित बसोया के नेतृत्व में वह महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में छात्रों के साथ संपर्क अभियान चलाया गया। उन्हें सपा कार्यकाल में हुए विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। तथा छात्रों के बीच पर्चा वितरण का भी कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के प्रभारी सौरभ यादव भी उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां ढऊअ, किसान, नौजवान विरोधी है ढऊअ की एकजुटता से बीजेपी घबराई हुई है । पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी वह महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में गांव, गरीब किसान और नौजवान के हित में तमाम फैसले लिए गए लेकिन वर्तमान सरकार ने हर वर्ग को धोखा देने का काम किया है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में, दिव्यांशु यादव, गौरव कुमार यादव, केपी यादव, अमित बसोया, अतुल यादव, लिलटी यादव, मनोज प्रजापति, सौरभ चौहान, सुमित अंबावता, कवित गुर्जर, राम सहेली, रामवीर यादव, रिंकू यादव, सोनू सिंह, विजय कश्यप ,उमंग शर्मा ,वीरेंद्र वाल्मीकि, आसिफ अंसारी, गौरव यादव, बिजी यादव, मनोज यादव ,अभय यादव विश्वास,संजय यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए महा संपर्क अभियान के तहत संत महंतों से किया जनसंपर्क

हाई कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराकर देंगे गवाही

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा आज तीसरे दिन महा संपर्क अभियान के तहत विद्वान संतों, महंतों से संपर्क कर श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह केस मैं माननीय हाई कोर्ट में गवाही के लिए संपर्क कर शपथ पत्र भरवाये गए, पुराना रास मंडल में हुई बैठक को संबोधित करते हुए हिंदूवादी एवं पक्षकार दिनेश शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता होने के नाते हमने सभी संप्रदायों, महामंडलेश्वर, आचार्यगणों , से गवाही के लिए संकल्प पत्र लिए हैं, सभी संतो ने राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए मनोयोग से लगने की बात कही है. महंत रामस्वरूप दास छोटी छावनी,

महंत लाली शरण जी महाराज रास मंडल निमोर्ही अखाड़ा, उदासीन संप्रदाय के रामशरण दास, प्रतिबद्ध होकर कहा की भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण के लिए हमारा तन मन धन समर्पित है, हमारा बालक दिनेश शर्मा फलाहारी, जोअब निर्णायक भूमिका में है, चराचर ब्रह्म के स्वामी योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण की भूमि आताताई शक्तियों से मुक्त होगी ऐसा हमारा विश्वास है' विप्र नेता बिहारीलाल वशिष्ठ, पं श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने कहा कि सभी संत राम मंदिर आंदोलन के बाद अब भगवान श्री कृष्ण के मंदिर निर्माण में लगेंगे,समस्त ब्रजमंडल में एक बार फिर राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति जनजागरण की गूंज सुनाई देगी. इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ जमुना देवी शर्मा, मधुबन संत हरिदास, विश्व हिंदू परिषद के नेता जयराम शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, जिलाध्यक्ष ठाकुर नरेश सिंह, मीडिया प्रभारी रिचा शर्मा, बालकिशन शर्मा,बालू पंडित, महिला जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, सरोज गोला, महेश पंडित, श्रीपाल बघेल आदि उपस्थित थे

हिमाचल में वित्तीय संकट... वेतन और पेंशन नहीं मिला कर्मचारियों को

शिमला । भले ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की कोशिश की हो, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी ने इस आंशका को सच साबित कर दिया। जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया। आम तौर पर वेतन और पेंशन हर माह की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं। अभी भी कोई आधिकारिक बयान नहीं है, कि वेतन कब वितरित होगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ-साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए। हालांकि पिछले शासनकाल में इसतरह के उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। विडंबना यह है कि एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। सीएम सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में सुक्खू कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है। लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूं जब 3 सितंबर है और कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

महिला अपराध पर बोलने से ज्यादा बेहतर... कुछ करना : अनन्या

मुंबई । अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड की एक जानमान चेहरा हैं, वे अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब हाल ही में अनन्या ने

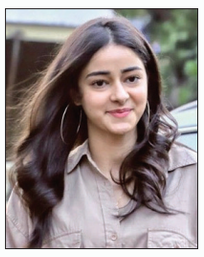

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों तथा सिनेमा जगत में उनके साथ होने वाले बर्ताव पर खुलकर बात की। अनन्या का कहना है कि महिलाओं को बुरे वक्त का सामना हमेशा ही करना पड़ा है, लेकिन आज स्थिति बदली है। वे अब इन मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं। महिलाओं के साथ होने वाले अपराध और बुरे बर्ताव पर अनन्या ने कहा कि जागरूकता बढ़ाना जरूरी है लेकिन समाज में वास्तविक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। अनन्या ने कहा, महिलाओं ने हमेशा बुरे वक्त का सामना किया है, अब हम इसके बारे में काफी कुछ बोल रहे हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, इस लेकर कुछ करना। उन्होंने कहा, एक महिला और एक कलाकार के तौर पर हम अपने आस-पास के पुरुषों को यह बताकर अपना योगदान दे रहे हैं कि वे इन परिस्थितियों का कैसे बेहतर बना सकते हैं और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं। अनन्या ने कहा कि खासतौर पर कानून के जरिये व्यवस्थागत बदलाव की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण कदम कानून में बदलाव लाना है और सरकार इसमें कई बदलाव कर रही है।

मालेगांव में गाउन के बाद अंडरवियर गिरोह की धमक घर और कॉलेज में चोरी

-पांच लाख का सोना और कॉलेज परिसर से केले चुराकर ले गए

मुंबई । महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में बीती देर रात कच्छा-बनियान गिरोह बनकर अज्ञात चोरों ने एक घर और कॉलेज से लाखों का माल लूट कर ले गए। पीड़ितों का आरोप है कि एक घर से चोर पांच लाख का सोना और कॉलेज परिसर से केले चुराकर ले गए। चोरों की यह करतूत सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में चोर अंडरवियर और बनियान पहने हुए हैं। पिछले हफ्ते मालेगांव में इसी तरह की एक अन्य घटना में चोर गाउन पहनकर रिहायशी इलाकों में घुसे थे और एक मंदिर के दानपात्र से पैसे चुराकर भाग गए। मालेगांव में अंडरवियर गिरोह की धमक गाउन गिरोह द्वारा अंजाम दी गई चोरी के कुछ समय बाद ही हुई है। उस गिरोह को महिलाओं के वेश में देखा गया। ज्यादातर गाउन पहने हुए कैमरे में कैद हुए थे। इन चोरों ने पिछले सप्ताह मालेगांव के रिहायशी इलाकों में कई घरों को निशाना बनाया। चोरों ने एक मंदिर के दानपात्र से भी पैसे चुराए। बता दें कि चड्डी बनियान गिरोह पहले भी देश के कई हिस्सों में चोरी और हमले की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। ये चोर अक्सर बनियान और अंडरवियर पहनकर अपराध को अंजाम देते हैं। कई बार लोगों को डराने के लिए इनके पास धारदार हथियार भी होते हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है, कि मालेगांव में इस तरह से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी वाकई इस गिरोह से हैं, या लोगों को भ्रमित और डराने के के लिए इस तरह का वेश धरा है।

भेड़िये के बाद अब सियारों की एंट्री... मां के साथ सो रही नवजात बच्ची ले भागे

-रोने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो नोच रहा था उसका शरीर

सुलतानपुर। यूपी के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। भेड़िये मासूम बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को अपना शिकार बना रहे है। इसी बीच सुलतानपुर से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां पर एक सियार ने आतंक मचा रखा है। सियार बीती रात करीब चारपाई पर अपनी मां के साथ सो रही नवजात बच्ची को उठा ले गया। करीब 60 मीटर दूर ले जाकर बच्ची को नोचना शुरू किया तो बच्ची रोने लगी। आवाज सुनकर माता-पिता वहां पहुंचे तो सियार भाग गया। सियार के हमले से बच्ची की मौत हो गई। यह मामला मोतिगरपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दियरा के कोड़रिया पुरवे का है। गांव निवासी मोनू अपनी पत्नी बच्चों के साथ सोए हुए थे। पत्नी मुस्कान अपनी नवजात बेटी काजल (2 माह) व अन्य बच्चों के साथ चारपाई पर सो रही थी जबकि पिता मोनू बेटे सुल्तान के साथ दूसरी चारपाई पर लेटा था। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे बेटी के रोने की आवाज सुनकर जागे तो नवजात काजल चारपाई पर नहीं थी। बच्ची के रोने की आवाज घर के पास खेतों में से आ रही थी। जब वह वहां पहुंचे तो सियार बच्ची को नोच रहा था, उन्हें देखकर भाग गया। सियार के हमले से नवजात के सिर के ऊपरी हिस्से में गहरा घाव हो गया है। परिजन उसे अस्पताल ले गए जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी ग्राम प्रधान ने पुलिस को दी। वहीं, 10 दिन पहले पास के एक गांव खैरहा निवासी बुजुर्ग बंशीधर चौबे को भी सियार ने चेहरे पर काट लिया था। सियार के हमले से अब इलाके में दहशत का माहौल है।

राष्ट्रपति मुर्मू कल करेंगी उदगीर बुद्ध विहार का उद्घाटन, आनंद मेले में लेंगी भाग

लातूर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाराष्ट्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। वह बुधवार को लातूर जाएंगी। यहां राष्ट्रपति उदगीर बुद्ध विहार का उद्घाटन करेंगी और फिर महिला आनंद मेले समारोह में भाग लेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अपनी यात्रा के पहले दिन कोल्हापुर के वरणानगर में श्री वरणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुईं थी। आज यानी मंगलवार को वह पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही वह मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह में भी शामिल होंगी। अपनी यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू लातूर के उदगीर में बुद्ध विहार का उद्घाटन करेंगी और शासन अव्यान दारी और मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना के लाभार्थियों से भी मुलाकात करेंगी। मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना को महाराष्ट्र राज्य सरकार ने 28 जून, 2024 को लॉन्च किया था। योजना का उद्देश्य राज्य में महिलाओं को वित्तीय मदद और सशक्तिकरण प्रदान करना है।

दुनिया के लिए खतरा, पर भारत के साथ अटूट दोस्ती रखता है उत्तर कोरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते हुए भी देखे गए हैं। इन देशों ने उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा कहा है लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है। भारत के उत्तर कोरिया से दशकों पुराने संबंध हैं, जो आज भी कायम हैं। दोनों देशों के नेता बहुत ज्यादा एक दूसरे देश की यात्राएं करते नहीं दिखते हैं लेकिन भारत दुनिया के इस खतरनाक देश पर अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भरोसा करता रहा है। उत्तर कोरिया को एक अलग-थलग परमाणु-सशस्त्र तानाशाही वाला देश कहा जा सकता है लेकिन वह लगातार भारत का मित्र रहा है।

दरअसल भारत की रुचि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और पाकिस्तान से उसके संबंधों में है। वर्षों तक पाकिस्तान ने परमाणु तकनीक मुहैया कराकर उत्तर कोरिया की परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है। उत्तर कोरिया ने पाक को मिसाइलें विकसित करने में मदद की है। भारत ने लगातार अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच इन संबंधों के बारे में बताया है। वीके सिंह की 2018 यात्रा के दौरा उत्तर कोरिया ने भारत की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालने का वादा किया था। उत्तर कोरिया से भारत के रिश्ते रहे हैं लेकिन हालिया वर्षों में इनमें बहुत ताजगी नहीं दिखी है। उत्तर कोरिया की तुलना में भारत अमेरिका और दक्षिण कोरिया के कहीं ज्यादा करीब है। भारत ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल परीक्षणों पर भी चिंता जताई है। बीते 5 वर्षों में दोनों के बीच शीर्ष स्तर की बैठकें भी नहीं हुई हैं।

उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षणों और मिसाइल टेस्ट से कथित तौर पर एशिया की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इन परीक्षणों के चलते उसे कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया लेकिन भारत ने देश से संपर्क नहीं तोड़ा है। भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसका प्योंगयांग में दूतावास है। लंबे समय तक तो भारत उत्तर कोरिया का दूसरा और तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार रहा है। भारत और उत्तर कोरिया के नेता बहुत जल्दी-जल्दी दौरे नहीं करते हैं। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री ने करीब दस साल पहले 2015 में भारत का दौरा किया था। वहीं भारत के मंत्री वीके सिंह 2018 में उत्तर कोरिया गए थे। वीके सिंह की यात्रा ने विशेष रूप से दुनिया का ध्यान खींचा था क्योंकि इसकी उम्मीद कई देशों को नहीं थी। इससे एक साल पहले ही, 2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था। इसे उस समय की भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। भारत ने उत्तर कोरिया को कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है, जो दोनों की दोस्ती को दिखाता है। साल 2022 में उत्तर कोरिया ने बाढ़ से फसल नष्ट होने के बाद कथित तौर पर भारत से चावल मंगाया था।

क्या कर्नाटक में जाएगी... सिद्धारमैया की सीएम कुर्सी

नई दिल्ली । कर्नाटक में क्या मुख्यमंत्री को बदला जाएगा, यह ऐसा सवाल है जो कांग्रेस सरकार के गठन के साथ ही कर्नाटक के सियासी गलियारों में चर्चाओं में है। एक बार फिर से इस सवाल पर खूब चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लेकर विपक्ष कई बड़े और गंभीर आरोप लगा रहा है। इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री

सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी आलाकमान और विधायकों के फैसले का पालन करुंगा। सीएम ने अपने गृहनगर मैसूरु में यह बात कही। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता आरवी देशपांडे के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त देकर कहा कि मुख्यमंत्री कैसे बनेगा? इस संबंध में पार्टी विधायक और आलाकमान को फैसला करना हैं, वे जो भी निर्णय लेते हैं, उसका पालन करुंगा। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया कि इतने लंबे समय के बाद वह कैसे तरोताजा दिख रहे हैं, जबकि बीजेपी दावा कर रही थी कि वह मुद्रा मामले के मद्देनजर सुस्त दिख रहे हैं, तब सिद्धारमैया ने हंसते हुए कहा, विपक्ष ने इस मामले में झूठ बोला है। अगर उनका झूठ साबित नहीं हुआ है, यह उनके लिए मुश्किल होने वाला है। मैंने झूठ नहीं बोला है, न ही गलत बयान जारी किया है और न ही कोई गलती की है। कांग्रेस सरकार द्वारा न्यायिक आयोग की कोविड पर एक रिपोर्ट को कथित तौर पर बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल करने के सवाल पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि इस संबंध में सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट गुरुवार को कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने दावा किया है कि इस रिपोर्ट का इस्तेमाल कांग्रेस द्वारा राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

पीएम मोदी के ब्रुनेई और सिंगापुर दौरे पर कांग्रेस का तंज, मणिपुर का मानवीय दौरा कब करेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा पर निकलने पर कांग्रेस ने मंगलवार को उन पर निशाना साधते हुए पूछा कि ÷हमारा फ़्रीक्वेंट फ़्लायर÷ अशांत राज्य मणिपुर का %मानवीय% दौरा कब करेगा। प्रधानमंत्री मोदी सभी मौजूदा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण पर 3-4 सितंबर को ब्रुनेई का दौरा कर रहे हैं। वह अपने सिंगापुर के समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4-5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा पर जाने वाले हैं।

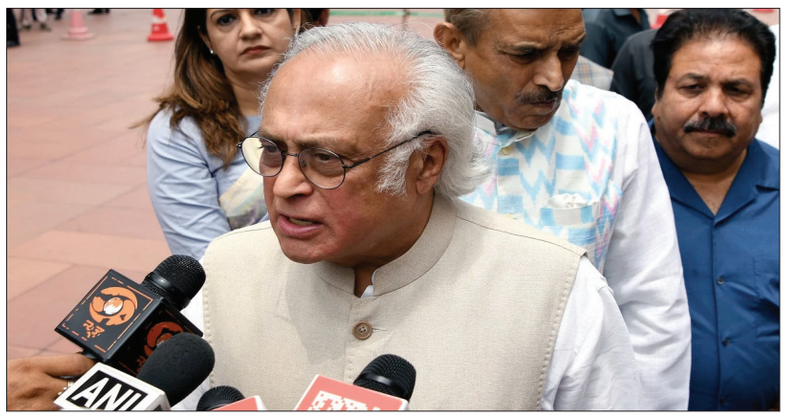

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि गैर-जैविक प्रधान मंत्री ब्रुनेई की %ऐतिहासिक% यात्रा के रूप में प्रचारित कर रहे हैं, जिसके बाद वह सिंगापुर जाएंगे। हमारा फ़्रीक्वेंट फ़्लायर अशांत राज्य मणिपुर का %मानवीय% दौरा कब करने जा रहा है? उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के विपरीत दावों के बावजूद मणिपुर में स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने लिखा कि आज मणिपुर में भड़की हिंसा को ठीक 16 महीने हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो गए, जो राहत शिविरों में बेहद खराब स्थिति में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह विश्वास से परे है कि नरेंद्र मोदी को अभी भी राज्य में जाने और राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों और स्वयं लोगों के साथ बातचीत करने का समय या झुकाव नहीं मिला है। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट भी टैग की जिसमें मैतेई और कुकी-ज़ोमी समुदायों के बीच अंतर को पाटने के लिए बीरेन सिंह द्वारा नियुक्त एक दूत के हवाले से कहा गया था कि बातचीत के लिए अनुकूल माहौल में हिंसा के बीच मध्यस्थता करना मुश्किल था। कांग्रेस ने शुक्रवार को इस बात पर आश्चर्य जताया था कि प्रधानमंत्री मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करके शांतिदूत क्यों नहीं बन सकते, जबकि वह इस भूमिका को निभाने के लिए ÷पूरी दुनिया÷ में जा रहे हैं।

सिंगापुर से इलाज कराकर लौटे लालू फिर हुए एक्टिव, बुलाई अहम बैठक

-तेजस्वी की आभार यात्रा और विधानसभा चुनाव को लेकर होगी चर्चा

पटना (एजेंसी)। सिंगापुर से इलाज कराने के बाद आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पटना लौटते ही एक्शन में दिख रहे हैं। दरअसल लालू यादव सिंगापुर से दिल्ली लौटे और फिर पटना आ गए हैं। पटना आते ही लालू एक बार फिर एक्शन में आ गए हैं। आरजेडी सूत्रों के मुताबिक लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को एक अहम बैठक बुलाई है।

इस बैठक में आरजेडी के चारों सांसद, सभी विधायक और विधान परिषद के सदस्यों को मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में तेजस्वी यादव की आभार यात्रा के साथ साथ आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जाएगी। बताया जा रहा है कि बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक में लालू के साथ तेजस्वी और पार्टी के सभी बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए तेजस्वी यादव 10 सितंबर से एक बार फिर बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं। तेजस्वी अपनी इस आभार यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत करेंगे। यात्रा के दौरान कोई सभा नहीं होगी। यात्रा की शुरुआत समस्तीपुर जिले से होगी। यह यात्रा 17 सितंबर चक चलेगी। इस दौरान तेजस्वी दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी और मुजफ्फरपुर का दौरा करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान तेजस्वी हर जिले में दो दिन रहेंगे। बता दें, लालू प्रसाद यादव अपने इलाज के लिए पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के साथ सिंगापुर गए थे। सिंगापुर में इलाज कराने के बाद लालू सोमवार को पटना लौटे हैं। सिंगापुर प्रवास के दौरान लालू की बेटी रोहिणी आचार्या भी उनके साथ थी। वहीं लालू के पटना एयरपोर्ट पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

गरीब देश में जाकर क्यों जान जोखिम में डाल रहे हैं भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के दक्षिण पूर्व में भारत से करीब 1721 किलोमीटर दूर 75 लाख की आबादी लाओस देश दक्षिण पूर्वी एशिया का इकलौता लैंडलॉक्ड देश है। यानी इस देश की कोई भी सीमा समुद्र से जाकर नहीं मिलती है, नतीजन इसे समुद्री मार्ग का इस्तेमाल करने के लिए चीन, कंबोडिया, वियतनाम, थाइलैंड या म्यांमार पर निर्भर रहना पड़ता है। इन 5 देशों के साथ लाओस की बॉर्डर है।

पिछले कुछ साल से भारत में इस देश की काफी चर्चा है। कारण... अच्छी नौकरी के लालच में भारतीयों का इस देश में जाना और फिर किसी फर्जीवाड़े का शिकार होकर वहां फंस जाना। लाओस में ऐसे ही एक ट्रैप में पिछले कई महीनों से फंसे 47 भारतीयों को भारतीय दूतावास ने साइबर स्कैम सेंटर्स से छुड़ाया है। ये लोग लाओस के बोकेओ प्रांत में फंसे हुए थे।यह पहली बार नहीं है, जब इतनी बड़ी तादाद में भारतीयों को लाओस से छुड़ाया गया है। इससे पहले भी ऐसे कई मौके आ चुके हैं। भारतीय दूतावास के मुताबिक अब तक लाओस से ऐसे 635 भारतीयों को बचाया गया है, जो जॉब स्कैम में फंसकर लाओस में प्रताड़ना का शिकार हो रहे थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक लाओस में साइबर स्कैम करने वाले अपराधी काफी एक्टिव हैं। ये लोग नौकरी के फर्जी विज्ञापन देकर भारत सहित आसपास के देशों से लोगों को अपने देश में बुला लेते हैं। वहां, पहुंचने वाले लोगों का पासपोर्ट जब्त कर लिया जाता है और फिर खेल शुरू होता है साइबर स्कैम के जंजाल का। नौकरी के लालच में लाओस पहुंचने वाले लोग पासपोर्ट जब्त होने के बाद फंस जाते हैं और उनका निकलना मुश्किल हो जाता है। एशिया के अलग-अलग देशों से नौकरी के लोभ में लाओस पहुंचे लोगों से पहले तो डेटिंग ऐप पर फर्जी फोटो के जरिए लड़की की सोशल मीडिया प्रोफाइल बनवाई जाती है। इसके बाद उन्हें साइबर ठगी करने के लिए कहा जाता है। बुरी तरह फंस चुके लोगों को बकायदा एक टारगेट दिया जाता है। वहां फंसने वाले लोग डेटिंग ऐप पर लड़की बनकर लड़कों से चैट करते हैं। जब उन्हें लगता है कि सामने वाला उनकी बातों में फंस चुका है तो वे उससे क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए तैयार करते हैं। जो भी शख्स अपने टारगेट को पूरा नहीं कर पाता उसे नरक से भी बदतर प्रताड़ना दी जाती है।

बिहार में कुर्मी से ज्यादा ब्राह्मण... फिर नेतृत्व क्यों नहीं कर सकते : पीके

-भाजपा के डर से कांग्रेस और राजद को वोट देता है मुसलमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनसुराज के नेता और राजनैतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को लेकर कहा कि नीतीश कुमार जिस कुर्मी जाति से आते हैं, उससे अधिक ब्राह्मणों की आबादी है। इसकारण यदि कुर्मी नेता नेतृत्व कर सकता है, तब बिहार में कोई ब्राह्मण क्यों नहीं कर सकता। उन्होंने खुद की ब्राह्मण पहचान को लेकर कहा कि आखिर संविधान में कहां लिखा है कि सवर्ण कोई राजनीतिक प्रयास नहीं कर सकता। पीके ने कहा कि मैं जातिवादी राजनीति नहीं करता हूं, लेकिन कुछ लोग मेरे नाम में पांडेय ढूंढकर ला रहे हैं।

पीके ने कहा, 18 फीसदी आबादी मुसलमानों की है और उनकी भूमिका भी अहम होगी। हम तय करते हैं कि दल के पदाधिकारियों में 18 प्रतिशत मुसलमान है। इसके अलावा टिकट पाने और पदों पर आने के मामले में भी उन्हें मौका मिलेगा। पीके ने कहा कि 2 अक्टूबर को हमारा दल औपचारिक रूप लेगा। इसमें एक साथ 1 करोड़ लोग आएंगे। यह ऐसा पहली बार होगा, जब कोई पार्टी बनाने के लिए ही 1 करोड़ लोग आगे आएंगे। हम अलग-अलग वर्गों से बात कर रहे हैं। मुसलमानों के साथ बैठक की है। उन्होंने कहा कि हमारी मूलभावना है कि सभी को साथ लेकर दल बनाना है।

वहीं बिहार में पीके ने आरजेडी के एमवाय समीकरण पर कहा कि यह अस्तित्व में नहीं है। पीके ने कहा कि 2014 में 4 सांसद उनके बने और फिर 2019 में यह आंकड़ा जीरो पर रहा। फिर से 4 सीट ही उन्हें मिली है। अब तक मुसलमान वोट उन्हें देता रहा है, लेकिन इसकी वजह आरजेडी का काम नहीं है बल्कि भाजपा से डर है। मुसलमानों की बात करें तब दलितों के बाद सबसे बदहाल मुसलमान ही हैं। उन्हें दिख रहा है कि कुछ मिल नहीं रहा है। ना ही विकास हुआ और ना राजनीतिक भागीदारी मिल सकी है। हम उन्हें यह बताएंगे कि वह सिर्फ भाजपा के विरोध में वोट न दें बल्कि अपने बच्चों के भविष्य के लिहाज से आगे बढ़ें।

पीके ने कहा कि ऐसा ही एक बड़ा वर्ग जो नीतीश कुमार या भाजपा को वोट देता है, वह लालू से डर वाला है। मैं मुसलमानों को बताता हूं कि आपने अब तक जिन रहनुमाओं को चुना है, उन्होंने आपके लिए क्या किया। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट 2006 में आई। तब ज्यादा दिन भाजपा का शासन नहीं था। उस रिपोर्ट के आधार पर साफ है कि मुसलमानों ने जिन लोगों को वोट दिया था, उन्होंने उन्हें आगे नहीं बढ़ाया। पीके ने कहा कि जनसुराज पार्टी का नेता मैं नहीं रहूंगा।

चुनावी रणनीतिकार रहे पीके ने कहा कि मैंने अपना सब कुछ इसके लिए दांव पर लगाया है। इस दौरान मैं बाहर नहीं निकला हूं। बिहार की स्थिति बदलने का पूरा खाका बनाकर आया हूं। उन्होंने कहा कि हमारा अभियान यह है कि आजादी से पहले ही कांग्रेस जैसा एक दल बनाया जाए। उस दौर में कांग्रेस का अध्यक्ष अधिवेशन में चुना जाता था और उनका कार्यकाल डेढ़ साल से ज्यादा का नहीं होता था। तब अनपढ़ लोगों की संख्या अधिक थी, लेकिन लोकतंत्र इतना अधिक था। फिर भी लोग अपने नेता का चुन लेते थे। क्या ऐसी स्थिति बिहार में नहीं हो सकती है। हम उसी को मॉडल मानकर आगे चल रहे हैं।

चंबल में सांपों के आतंक से ग्रामीण दहशत में, 24 अजगरों का किया रेस्क्यू

ग्वालियर (एजेंसी)। चंबल सेंचुरी के वन क्षेत्राधिकारी के.के. त्यागी ने ग्रामीणों की सूचना पर चंबल सेंचुरी टीम और वन्य जीव प्रतिनिधियों ने मिलकर इस रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया. रेस्क्यू के दौरान 24 अजगर और एक करैत सांप को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस घटना के बाद इलाके में ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ था, जिससे उन्होंने खेती करना छोड़ दिया था। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें राहत मिली है।

त्यागी ने बताया कि सभी सांप चार फिट से ज्यादा लंबे थे और उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया है। रेस्क्यू अभियान के डॉ. आशीष ने बताया कि वे पिछले दस सालों से सांपों का रेस्क्यू कर रहे हैं, लेकिन पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सांपों का रेस्क्यू किया गया है। इटावा जिले में पिछले दस सालों में करीब 10 हजार छोटे-बड़े अजगरों का रेस्क्यू किया गया है। 5 किलो से लेकर 100 किलो वजनी और 5 फीट से लेकर 20 फुट लंबे अजगरों को सुरक्षित रेस्क्यू करके जंगल में छोड़ा गया है. पिछले 20 सालों से इटावा जिले में बड़े पैमाने पर जमीन से अजगरों के निकलने का सिलसिला जारी है।

इटावा में अजगरों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि इसे देश-दुनिया का सबसे बड़ा अजगरों का बसेरा बन गया है। अजगर आमतौर पर लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन जब वे खतरे में होते हैं, तो उनका बचना मुश्किल होता है। जंगलों के कटने के कारण अजगर अब इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं, जहां वे अपना बसेरा बना रहे हैं। अजगर एक संरक्षित जीव है। इसके संरक्षण के लिए केंद्र या राज्य सरकार की ओर से कोई विशेष योजना नहीं बनाई गई है। इसलिए रेस्क्यू किए गए अजगरों को संरक्षित वन क्षेत्रों में छोड़ा जाता है. चंबल घाटी के यमुना और चंबल नदियों के किनारों पर सैकड़ों अजगर पाए जाते हैं, हालांकि इनकी कोई तथ्यात्मक गणना नहीं की गई है।

हरियाणा में भीषण सड़क हादसा- ट्रक चालक ने सड़क किनारे खड़े मोटरसाइकिल सवारों को कुचला, 2 की मौत

अंबाला। गांव जलुबी स्थित पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक व बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत और एक युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। गांव उगाला के सरपंच शेर सिंह ने बताया कि वह पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने गया था। वहां उनके ताउ जसपाल सिंह का बेटा परविंद्र सिंह, चाचा जसबीर सिंह का बेटा कुलबीर सिंह और गांव सुहाता का सोमदत्त मोटरसाइकिल के साथ सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। जब वह तेल भरवाकर चलने लगा तो उसी समय बराडा की तरफ से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े परविंद्र सिंह, कुलबीर सिंह और सोमदत्त को टक्कर मार दी। हादसे की वजह से ट्रक अनियंत्रित होकर साइड में बने गड्ढों में उतर गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला। एमएमयू अस्पताल में डॉक्टरों ने परविंद्र सिंह और बाद में इलाज के दौरान कुलबीर सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं सोमदत्त की टांगें और बाजू टूट गए। शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज आदेश अस्पताल मोहड़ी में चल रहा है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस आरोपी ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग को व्हाट्सअप कॉल कर बनाई न्यूड वीडियो, फिर वायरल करने की धमकी दे वसूले 1.34 करोड़ रुपए

हिसार। शहर के एक बुजुर्ग से व्हाट्सअप पर कॉल कर एक अनजान युवती ने आपत्तिजनक वीडियो बना ली। बाद में वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने का भय दिखाकर बुजुर्ग से 1 करोड़ 34 लाख रुपए खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बुजुर्ग ने तंग होकर इस बारे में अपने परिवार वालों को मामला बताया। फिर इस बारे में रविवार को पुलिस को शिकायत दी। साइबर सैल थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अनजान युवती के खिलाफ धोखाधड़ी और आई.टी. एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि 14 अगस्त को उनके मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आई। कॉल रिसीव करने के बाद एक युवती बातचीत करने लगी। उसके बाद उस युवती की कई बार कॉल आई। युवती ने अपने चंगुल में फंसाकर मेरी आपत्तिजनक वीडियो बना ली। उसने 14 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक वीडियो कॉल की। उसने आपत्तिजनक वीडियो बनाने के बाद मेरे को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और परिजनों के पास भेजने की बात कहकर रुपए मांगने शुरू कर दिए। उसने कभी दस लाख तो कभी बीस लाख रुपए मांगे। मैंने वीडियो वायरल करने के भय के चलते युवती द्वारा बताए गए खातों में अलग-अलग बारे में 1 करोड़ 34 लाख 65 हजार रुपए की नकदी डलवा दी। बाद में इस बारे में पुलिस को शिकायत दी। साइबर सैल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, मौसम विभाग ने 7 दिनों के लिए बारिश को लेकर ALERT किया जारी

हिसार। हरियाणा में मानसून ने रफ्तार पकड़ी हुई है। पिछले 3 दिनों में हुई बारिश ने प्रदेश के अधिकांश जिलों को कवर किया है। मौसम विभाग के अनुसार 7 दिन बारिश जारी रह सकती है। मौसम विभाग ने आज पंचकूला और यमुनानगर में हैवी रेन का अलर्ट जारी किया है। 24 घंटे में 5 जिलों में झमाझम बारिश हुई। सबसे ज्यादा जींद में हुई। यहां 10 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। हरियाणा में 5 जिले ऐसे रहे, जहां 24 घंटे में झमाझम बारिश हुई। बारिश से कई जगह जलभराव हो गया। कई इलाकों में घंटों बिजली गुल हो गई। सबसे ज्यादा बारिश जींद में हुई। यहां 10.0 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा कुरुक्षेत्र में 3.0 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। यमुनानगर में 1.0, पंचकूला और सोनीपत में 0.5 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में 1 अगस्त से अब तक 177.9 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 140.8 एमएम होती है, यानी सामान्य से 26त्न ज्यादा बारिश हुई है। मानसून सीजन में 1 जून से 29 अगस्त तक 295.1 एमएम बारिश हुई है, सामान्य बारिश 344.6 से 14 फीसदी कम है।

16 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई

हरियाणा के 16 जिलों में मानसून की बारिश सामान्य से कम हुई है। कैथल, करनाल और पंचकूला जिले तो ऐसे हैं, जहां सामान्य से आधी बारिश भी नहीं हो पाई। हिसार, जींद, यमुनानगर, पलवल और रोहतक जिलों में सामान्य से 30 प्रतिशत से भी कम बारिश हो पाई है। महेंद्रगढ़ और नूंह जिलों में जमकर बादल बरसे हैं। नूंह में सामान्य से 63 प्रतिशत और महेंद्रगढ़ जिले में सामान्य से 51 प्रतिशत तक अधिक बारिश दर्ज की गई है।

अटेली विधानसभा सीट पर टिकट विवाद, आरती को टिकट मिलने की संभावना पर संतोष यादव ने जताई नाराजगी

मंडी अटेली। अटेली विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की टिकट की दौड़ में शामिल संतोष यादव ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव को टिकट - मिलने की संभावनाओं पर मीटिंग बुलाकर नाराजगी जताई है।

उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बैठक कर अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से प्रकट किया। इस बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए, जो संतोष यादव को टिकट देने की मांग कर रहे हैं। यह बैठक पार्टी के भीतर बढ़ती असंतोष और गुटबाजी को उजागर करती हैं, जिससे चुनाव में भाजपा को नुकसान उठाने का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। संतोष यादव, जो अटेली क्षेत्र से चुनाव जीत कर पूर्व डिप्टी स्पीकर रह चुकी हैं, ने कहा कि अटेली की जनता अब राजशाही से ऊब चुकी है और एक विकसित अटेली की चाहत रखती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा को ऐसे व्यक्ति को टिकट देना चाहिए जो लोगों के बीच में रहता हो और क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझता हो। यादव का यह बयान, आरती राव को टिकट मिलने की संभावनाओं के प्रति उनकी नाराजगी को दर्शाता है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला तो संभवत: किसी और दल के टिकट पर या फिर निर्दलीय चुनाव लड़ने का भी निर्णय ले सकती हैं। पिछली बार टिकट कटने का भी संतोष यादव को भारी मलाल है। इस बार वे आर-पार के मूड में हैं। संभावित उम्मीदवार भी अपनी दावेदारी को मजबूत करने की कोशिश में लगे है। पिछली बार यहां के कुछ लोगों ने संतोष यादव का टिकट कटवाने को लेकर जमकर विरोध की खींचतान की और अधिक बढ़ा दिया है। मंत्री राव इन्द्रजीत के सहयोग से पिछली बार टिकट हासिल करने वाले विधायक सीताराम यादव के समर्थक भी अब यही चाहते कि राव की बेटी के बजाय विधायक को दोबारा से यहां से टिकट दी जाए। नाराजगी सिर्फ संतोष यादव तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य इसके अलावा, कुछ बाहरी लोग भी अटेली में कार्यालय खोलकर टिकट के लिए दावा कर रहे हैं और सक्रिय रूप से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं।

इस स्थिति ने पार्टी के भीतर के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। संतोष यादव ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि उन्हें टिकट नहीं मिला, तो वे दोबारा बैठक कर अपनी आगे की रणनीति पर विचार करेंगी। इस प्रकार, उन्होंने चुनाव लड़ने का संकेत भी दे दिया है। पार्टी के लिए यह स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण हो गई है, और टिकट की घोषणा से पहले ही पार्टी में असंतोष की स्थिति स्पष्ट हो गई है। भाजपा के भीतर चल रही इस खींचतान और गुटबाजी का असर चुनाव परिणामों पर भी पड़ सकता है। यह देखना होगा कि पार्टी किसे टिकट देती है और क्या वह पार्टी के भीतर के इस विवाद को सुलझा पाती है या नहीं।

बीजेपी की सरकार ने किसानों को सबसे ज्यादा फसलों पर एमएसपी देने का काम किया: विज

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जिसमें भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किसानों को सबसे ज्यादा फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का काम किया है और हमने 24 फसलों पर एमएसपी दी है और हरियाणा पूरे देश में पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा जो मुख्यमंत्री भी रहे है तब भी किसानों के लिए कुछ करके नहीं गए और बताएं कि हरियाणा में कब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से ज्यादा फसलों पर एमएसपी दी है।

श्री विज आज पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। बुलडोजर चलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए जाने वाली निर्णय के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर अध्ययन किया जाएगा क्योंकि माननीय सुप्रीम कोर्ट हमारा गाइडिंग एनफोर्स है इसलिए उनकी बात के अनुसार ही आगे काम किया जाएगा। दुष्यंत चौटाला द्वारा मुख्यमंत्री पर किए गए कटाक्ष कि मुख्यमंत्री एक कटी पतंग है, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम दुष्यंत चौटाला को क्यों बताएं। जब भारतीय जनता पार्टी की सूची आएगी तो मुख्यमंत्री का भी नाम आ जाएगा। ये अपनी पार्टी को देखें इनके तोते उड़ कर भाग रहे हैं।

राहुल गांधी द्वारा भाजपा के राज में मुसलमान की मोब लिंचिंग के संबंध में दिए गए बयान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जितनी शांति मोदी जी के राज में रही है जबकि कांग्रेस के समय में पूरे देश-प्रदेश को दंगों में झोंक दिया गया था लेकिन बीजेपी के राज में सब नियंत्रण में है। राहुल गांधी द्वारा संविधान बदलने के संबंध में दिए गए बयान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संविधान तो राहुल गांधी की दादी ने बदलने की कोशिश की थी जबकि भारतीय जनता पार्टी ने नहीं की। राहुल गांधी की दादी ने धारा 356 लगाकर विधानसभाए तोड़ी हैं लेकिन नरेंद्र मोदी ने कोई भी नहीं तोड़ी। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।

आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली और पंजाब की तरह ही हरियाणा में भी सुविधाएं दी जाएगी जबकि भाजपा ने जीरो भी नहीं दिया, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली में दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को लोकसभा की सातों सीटों से उखाड़ कर फेंक दिया और इसी प्रकार से पंजाब का भी आपने देखा कि कितना बुरा हाल हुआ। आप पार्टी के दाने बिक चुके हैं अब इनके पल्ले कुछ नहीं है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में किसी

भी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची नहीं आने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी नॉमिनेशन भी शुरू नहीं हुए हैं लेकिन उन्हें उम्मीद है कि नॉमिनेशन से पहले पहले सभी पार्टियों की सूची आ जाएगी।

कांग्रेस ज्वाइन करने की चर्चाओं पर रणजीत चौटाला का आया बड़ा बयान, बोले- हिसार लोकसभा चुनाव लड़ाकर...

सिरसा। हरियाणा बड़े सियासी उटफेर की संभावना पर रणजीत चौटाला ने ब्रेक लगा दिया है। सिरसा में पत्रकारों से बातचीत करते बिजली मंत्री चौटाला ने कहा कि मैं कांग्रेस में नहीं जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमें इतना मान सम्मान दिया है। उन्होंने हिसार लोकसभा का टिकट देकर मेरा मान बढ़ाया है। इसलिए मैं हरहाल में भाजपा में ही रहूंगा। इसके आगे चौटाला ने कहा कि हमारे खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया को सच्चाई दिखाने के लिए जाना जाता है।

गौरतलब है कि भाजपा में टिकट बंटवारे को लेकर घमासान मचा हुआ है। वहीं खबरें आईं की रणजीत चौटाला को इस बार भाजपा विधानसभा का टिकट नहीं दे रही है। इसके बाद चौटाला कुछ दिन दिल्ली में रहे। जिसके बाद से सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी कि भाजपा द्वारा टिकट नकारने के बाद चौटाला कांग्रेस ज्वाइन कर सकते हैं। यहां तक कुछ जगह सूत्रों के हवाले से कहा गया रणजीत चौटाला कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में भी है। हालांकि इन सभी चर्चाओं पर अब स्वयं रणजीत चौटाला ने विराम लगा दिया है।

हरियाणा में कांग्रेस-'आप' का गठबंधन संभव, डॉ. सुशील गुप्ता के इस बयान ने दिए संकेत...

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन का फैसला हमारे सीनियर नेता करते हैं। इसे लेकर अभी मेरी कोई बातचीत नहीं हुई है। हमारी 90 के 90 विधानसभा सीटों पर पूरी तैयारी है। हरियाणा में आम आदमी पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है।

डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि अगर कांग्रेस आम आदमी पार्टी से गठबंधन होता है, तो पार्टी हाई कमान से कहुंगा की 5 सीटो पर गठबंधन ना करे। गौर रहे इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस+क्कने मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 9 औ+क्कने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस 5 सीटें जीती लेकिन आप कुरूक्षेत्र सीट हार गई थी। हालांकि चंडीगढ़ चुनाव में एक साथ लड़ने पर कांग्रेस-आप ने निगम और लोकसभा चुनाव जीता था।

'आप' पहली बार सभी सीटों पर अकेले लड़ रही

हरियाणा में आम आदमी पार्टी पहली बार अकेले सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 2019 में+क्कने 47 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन सभी हार गई। इस बार अरविंद केजरीवाल के हरियाणा के बेटे होने का हवाला देकर आप प्रचार कर रही है। प्रचार में पंजाब सीएम भगवंत मान के अलावा केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी लगातार रैलियां कर रही हैं।

हुड्डा के गढ़ में भाजपा की डगर मुश्किल, 4 में से 3 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा

सोनीपत। क्षेत्रवाद व जातिवाद में बंटे नजर आ रहे हरियाणा में कुछ गढ़ ऐसे भी हैं जिन्हें भेदना दूसरी पार्टियों के लिए दुष्कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ कहा जाने वाला ओल्ड रोहतक ऐसा ही क्षेत्र है। ओल्ड रोहतक में दरअसल 3 जिले शुमार हैं जिनमें रोहतक, सोनीपत व झज्जर शामिल हैं। इन जिलों में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं जिनमें से वर्तमान में 11 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है।

ओल्ड रोहतक में 14 से 11 सीटें कांग्रेस के पास, 2 पर भाजपा तो एक पर निर्दलीय का कब्जा

रोहतक की 4 सीटों में से कजर की सभी चारों सीटें, सोनीपत की 6 सीटों में

से 4 पर कांग्रेस के विधायक हैं। ऐसे में के क्षेत्र भाजपा के लिए इस क्षेत्र मुकाबला करना बेहद कड़ी चुनौती रहेगा। 14 सोनीपत की 2 सीटें ही भाजपा के पास जबकि रोहतक की 1 सीट पर निर्दलीय विधायक काबिज है।

सियासी विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विधानसभा चुनावों में हुड्डा के गढ़ में भाजपा की प्रोफॉर्मेंस इस बात पर टिकी होगी कि भाजपा प्रत्याशियों का चुनाव किस आधार पर करेगी। निश्चित तौर पर भाजपा को यहां अपनी स्थिति सुधारने के लिए प्रत्याशियों के चुनाव में कौशल दिखाना होगा। वहीं, कांग्रेस इन सभी 14 सीटों में से ज्यादातर पर पुराने धुरंधरों को ही उतारने का मन बना चुकी है। 1-2 सीटों पर ही प्रत्याशी बदले जा सकते हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों में रोहतक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का वर्चस्व दिखा था। यहां की 4 में से 3 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं। इनमें रोहतक विधानसभा सीट पर कांग्रेस के भारत भूषण बत्रा व गढ़ी-सांपला-किलोई से भूपेंद्र हुड्डा ने जीत हासिल की थी। महम विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार बलराज कुंडू ने बाजी मारी थी। वहीं कलानौर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार शकुंतला खटक ने जीत हासिल की थी।

नौकरी के लिए मची हाय तौबा! हरियाणा में 15000 की सफाई करने की नौकरी के लिए उच्च शिक्षित युवाओं ने किया आवेदन

चंडीगढ़: पिछले चार महीनों में हरियाणा के 46,000 से अधिक उम्मीदवारों ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम (HKRN) के तहत संविदा सफाई कर्मचारी पदों के लिए आवेदन किया है। राज्य एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान बड़ी संख्या में उच्च शिक्षित युवाओं ने इस पद के लिए आवेदन किया है। महज 15 हजार रुपये की सैलरी वाले इस काम के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं की भीड़ लगी है। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन करते समय उम्मीदवारों को एक घोषणा पत्र देना होता है, जिसमें वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्होंने नौकरी का विवरण ध्यान से पढ़ा है। इसमें सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और भवनों की सफाई और कचरा हटाने का कार्य शामिल है। उम्मीदवारों को गृह जिले में तैनात किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इस पद के लिए आवेदन करने में किसी भी प्रकार की गलतफहमी की संभावना नहीं है। नौकरी के विवरण स्पष्ट रूप से कार्य की प्रकृति को दर्शाया गया है। 6 अगस्त से 2 सितंबर के बीच, लगभग 39,990 स्नातक और 6,112 से अधिक स्नातकोत्तर उम्मीदवारों आवेदन किया है, इसमें वेतन 15,000 रुपये प्रति माह है। इसके अलावा 12वीं पास 117,144 लोगों ने भी इस पद के लिए आवेदन किया है।

सरकार का दावा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया सचिव बीजेपी नेता प्रवीण अत्रेय ने कहा कि हरियाणा सरकार पिछले एक दशक से राज्य में रोजगार सृजन की दिशा में काम कर रही है। हमारी सरकार ने 145,000 नियमित सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अलावा, 37 लाख युवाओं को स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर प्रदान किए गए। लगभग 1,20,000 लोगों को ।चत्र्ह्र के माध्यम से संविदा पर नियुक्त किया गया।

गोल्ड मेडल जितने वाले नितेश पहले खेलते थे फूटबॉल, ट्रेन की चपेट में आए तो गंवाया पैर... अब हासिल किया बड़ा मुकाम

चरखी दादरी। पेरिस पैरा ओलंपिक में बैडमिंटन एकल प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल लेकर भारत का नाम रोशन करने वाले हरियाणा के चरखी दादरी जिले के गांव नांधा निवासी नितेश लुहाच को फूटबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। करीब 15 वर्ष की आयु में विशाखापट्टनम में रेल की चपेट में आने से उन्होंने अपना बाया पैर गंवा दिया जिसके कुछ समय बाद उन्होंने बैडमिंटन खेलना शुरू किया। उनकी इस उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल है और लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया जा रहा है।

बता दे कि नितेश के पिता इंडियन नेवी से रिटायर्ड है और जयपुर में रहते हैं। नितेश प्रारंभिम आठ साल तक गांव में ही अपने ताऊ गुणपाल के पास रहे उसके बाद पिता की पोस्टिंग के अनुसार अलग-अलग शहरों में जाना पड़ा। नितेश के चाचा सत्येंद्र व ताऊ गुणपाल ने नितेश के दिव्यांग होने की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि नितेश जब करीब 15 साल के थे उस दौरान उनके पिता बिजेंद्र सिंह की विशाखापट्टनम में पोस्टिंग थी। उस दौरान वे फूटबॉल खेलते थे और एक रोज शाम को फूटबॉल खेलने के लिए गए हुए थे। उस दिन उनके एक दोस्त का जन्मदिन था जिसके पिता रेलवे में नौकरी करते थे। नितेश रेलवे यार्ड के समीप उनके

क्वार्टर पर गया था और वापिस आते समय रेलवे यार्ड में रेल खड़ी थी और वह रेले के नीचे से पटरी पार कर रहा था। उस दौरान रेल चल पड़ी जिससे वह चपेट में आ गया और उसका पैर जांघ के समीप से अलग हो गया।

हरियाणा में बिना सैलरी 5 महीने से चल रही सरकारी नौकरी, दफ्तरों के चक्कर काट रहे ग्रुप डी के कर्मचारी

बहादुरगढ़। प्रदेश भर के नवनियुक्त ग्रुप डी कर्मचारियों को तनख्वाह के लिए भटकना पड़ रहा है। मार्च 2024 को ज्वाइन करने के बाद इन कर्मचारियों को अपनी पहली तनख्वाह का इंतजार बहुत लंबा हो गया है। 5 महीने बीत जाने के बावजूद भी अब तक स्पोर्ट्स कोटे और एक्स सर्विसमैन कोटे से भर्ती हुए ग्रुप डी कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिली है। जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। कर्मचारियों ने बहादुरगढ़ एसडीएम को एक ज्ञापन सौंप कर जल्द से जल्द तनख्वाह देने की मांग सरकार से की है।

10 मार्च 2024 को प्रदेश भर में करीब 2600 डी ग्रुप कर्मचारियों को पक्की नौकरी हरियाणा सरकार ने दी थी, लेकिन इन कर्मचारियों को अपनी पहली तनख्वाह के लिए भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वेरिफिकेशन के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। 5 महीने बीत जाने के बावजूद भी सरकार ने एक्स सर्विसमैन और स्पोर्ट्स कोटे के तहत भर्ती हुए ग्रुप डी कर्मचारियों का वेतन नहीं दिया है और उनकी वेरिफिकेशन करवाने की दिशा में भी काम शुरू नहीं किया है। 2600 कर्मचारियों में से महज 262 कर्मचारियों को ही उनका वेतन मिला है। जबकि बाकी बचे कर्मचारी सरकार से अब भी वेतन की मांग कर रहे हैं। बात झज्जर जिले की की जाए तो बहादुरगढ़, बेरी, बादली और झज्जर में कार्यरत करीब 100 ग्रुप डी कर्मचारियों को उनका वेतन नहीं मिला है।

कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने पहले लोकसभा चुनाव में दिन-रात मेहनत करके ड्यूटी दी और अब एक बार फिर से प्रदेश में विधानसभा चुनाव में भी उनकी ड्यूटी लगाई गई है लेकिन सरकार उन्हें वेतन नहीं दे रही। घर चलाने के लिए भी उनके पास पैसे नहीं हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि वे नो पे नो वर्क के तहत काम भी बंद कर सकते हैं। ऐसे में सरकार को कर्मचारियों का वेतन जारी करने की तरफ काम करने की आवश्यकता है।

गाजियाबाद मुख्यमंत्री ने किए आदेश जारी, जनपद की सड़कों को किया जाए गड्ढ़ा मुक्त

जनपद की सड़कों को गड्ढ़ा मुक्त बनाएं सम्बंधित विभाग: जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह आदेशों का उल्लंघन करने पर होगी सख्त प्रशासनिक कार्यवाही:जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

संस्कार उजाला

गाजियाबाद महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार गड्ढ़ा मुक्त सड़कें, गलियों के सम्बंध में बैठक आहुत हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के शहरी,ग्रामीण क्षेत्रों में सड़के,गलियां बनाने वाले सभी विभागों,कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी,प्रतिनिधियों से जाना की उनकी कितनी सड़के,गलियां गड्ढ़ा मुक्त हैं या नहीं हैं। उन्होने कहा कि यदि सड़के,गलियां में गड्ढ़े हैं तो कितनी ऐसी सड़के गलियां हैं जिनमें गड्ढें हैं और कितने मीटर,किमी. तक हैं। इसके लिए ही जिलाधिकारी महोदय ने जाना कि उक्त सड़के गलियों को जल्द से जल्द गड्ढ़ा मुक्त कर दिया जाएं, इसके लिए

प्रतिनिधियों से समय भी लिया गया। गड्ढ़ा मुक्ति के सम्बंध में उक्त सभी जानकारी ए4 पेज पर सम्बंधित अधिकारी,प्रतिनिधि से लिखित में लिया गया। उक्त पत्र बैठक के दौरान ही मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल को प्रेषित किया गया जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार जनपद की सभी सड़के,गलियां गड्ढ़ा मुक्त होनी चाहिए। सभी विभाग अपनी,अपनी सड़कों को त्वरित कार्यवाही करते हुए गड्ढ़ा मुक्त करायें। कहा कि गन्ना विभाग की सभी सड़कें पीडब्लूडी गड्ढ़ा मुक्त करेगें। जिन विभागों के द्वारा अपने विभागीय कार्य को पूर्ण करने के लिए दूसरे विभाग की सड़के क्षतिग्रस्त की गई हैं, वे नियमानुसार समन्वय बनाते हुए सड़कों को सही करायें। अमृत–2 योजना के तहत चल रहे कार्य में कार्य पूर्ण होते ही सड़के गलियां को तुरन्त सही कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी विभाग द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ मुख्यमंत्री के आदेशों का उल्लंघन,अवेहलना करना मानते हुए, पर उच्चतम अधिकारियों द्वारा सख्त विभागीय कार्यवाही की जायेगी। सड़कों के गड्ढ़ा मुक्त होने पर जिलाधिकारी द्वारा जल निगम, पीडब्लूडी पर नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नवनिर्मित पीडब्लूडी गेस्ट हाउस के निरीक्षण हेतु दो सदस्यीय टीम गठित की गई।बैठक में मुख्य रूप से सीई जीडीए मानवेन्द्र कुमार सिंह, डीपीआरओ प्रदीप कुमार द्विवेदी, ईई पीडब्लूडी रामराजा, केबी सिंह पीडब्लूडी, ईओ लोनी केके मिश्रा, ईओ मोदीनगर एनएम मिश्रा, डीआईओ वाईपी सिंह, ई ई रामकुमार, ई ई आरईडी डीके तंवर, ईई यूपीजेएन अरूण प्रताप सिंह, ईई यूपी जल निगम संजय कुमार, ईई भारत भूषण, ईई एनएनजी देशराज सिंह, ईई जीडीएम लवकेश कुमार, उप मुख्य अभियंता एनसीआरटीसी गौरव मल्होत्रा, इंजी. जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह, एई गजेन्द्र सिंह, एई सतेन्द्र कुमार, एई पीके जैन, एई पीडब्लू डी डीके शर्मा, एई आवास विकास कमलेश कुमार, जेई जल निगम नवनीत गुप्ता, आरई एनएचएआई एसके तिवान, एसआई एनएचएआई सिद्धार्थ गौतम सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण ने सभी ड ड होटलों को नोटिस जारी कर मांगा स्वीकृत नक्शा

संस्कार उजाला

संवाददाता माधव कुमार

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त है। इसी क्रम में प्रवर्तन विभाग के नोडल अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने अवैध निर्माण पर शिकंजा कसने के साथ ही शहर के विभिन्न हिस्सों में संचालित ओयो होटल अब गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के निशाने पर आ गए हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों की मानें शहर में संचालित 200 से अधिक ओयो होटल संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। प्राधिकरण ने नोटिस जारी कर होटल संचालकों से प्राधिकरण से स्वीकृत नक्शा उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। नक्शा उपलब्ध नहीं कराए जाने की स्थिति में ओयो होटलों खिलाफ के कार्यवाही की जाएगी के अपर सचिव एवं प्रवर्तन विभाग के नोडल अधिकार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तमाम अधीनस्थ को अनाधिकृत कालोनियों पर शिकंजा कसने के आदेश दिए गए हैं, साथ ही यह भी हिदायत दी गई है कि संबंधित क्षेत्र में सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण न होने पाए। हाल में शिकायतें मिली कि प्राधिकरण सीमा क्षेत्र में बगैर नक्शा स्वीकृत कराए ओयो होटल संचालित किए जा रहे हैं। इस क्रम में तमाम ओयो होटल की पड़ताल करायी जा रही है। तमाम ओयो होटल संचालकों को नोटिस दिए गए हैं।

जश्न-ए-अदब का कल्चरल कारवां विरासत: जयपुर में भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य का उत्सव ।

संस्कार उजाला

संवाददाता सलीम खान/आसिम अजीज

रामपुर। उत्तर प्रदेश भारत जयपुर। भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य को समर्पित संस्था जश्न–ए–अदब ने जयपुर के जवाहर कला केंद्र में दो दिवसीय 'कल्चरल कारवां विरासत' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस महोत्सव का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से किया गया। इसमें देश भर के प्रतिष्ठित भारतीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहला दिन: कार्यक्रम का उद्घाटन विद्या शाह, पद्मभूषण पं. साजन मिश्रा, पद्मश्री हुसैन ब्रदर्स, डॉ. यश गुलाटी, और साबरी ब्रदर्स की मनोरम प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इन कलाकारों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मंच पर समां बांध दिया। दूसरा दिन: दूसरे दिन की

शुरूआत यूसुफ खान ने भपंग वादन से की, जिसके बाद फकीरा खान ने राजस्थानी सूफी गायन प्रस्तुत किया। इसके बाद, अंजुम शर्मा, मनु ऋषि चड्ढा, फैसल मलिक, और कुँवर रंजीत चौहान ने एक विशेष पैनल चर्चा की। दास्तानगो सैयद साहिल आगा ने अमीर खुसरो पर आधारित 'दास्तान कारवांने खुसरो' प्रस्तुत की, जिसने दर्शकों से वाहवाही लूटी। इसके बाद विधा लाल ने कथक नृत्य की प्रस्तुति से महफिल में चार चाँद लगा दिए। मुशायरा और कवि सम्मेलन: कार्यक्रम का समापन शानदार कवि सम्मेलन और मुशायरे के साथ हुआ, जिसमें प्रोफेसर वसीम बरेलवी, पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, अश्विनी कुमार चाँद, रमेश शर्मा, और अन्य मशहूर कवियों ने शिरकत की। मुशायरे का संचालन मोईन शादाब ने अपने अनोखे अंदाज में किया। संस्थापक का वक्तव्य: जश्न–ए–अदब के संस्थापक, कुँवर रंजीत चौहान ने कहा, ₹साहित्योत्सव जश्न–ए–अदब कल्चरल कारवां विरासत ने विभिन्न शहरों में सफलता हासिल की है और अधिक से अधिक लोग भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य की समृद्ध धारा से जुड़ रहे हैं। हमें इस कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर जयपुर में लाने की खुशी है।

प्रदेश की प्रथम श्री चित्रगुप्त रसोई का शुभारंभ गाजियाबाद शालीमार गार्डन से होगा : प्रतीक माथुर

संस्कार उजाला

आशा चौधरी (गाजियाबाद)

कायस्थ परिवार द्वारा चित्रगुप्त की रसोई का शुभारंभ शालीमार गार्डन भगवान चित्रगुप्त मंदिर मे किया जा रहा है । महीने के प्रारंभ के हर रविवार को भगवान चित्रगुप्त रसोई का संकल्प किया जाएगा । कायस्थ परिवार के सदस्य मयंक देव प्रतीक माथुर आशुतोष सिन्हा नवीन जोहरी द्वारा बताया गया कि प्रथम महीने मे 50 थाली से शुरू किया जायेगा । इसके तहत एक व्यक्ति को एक थाली दी जाएगी । एक व्यक्ति को एक ही थाली का कूपन मात्र 21 मे दिया जाएगा जो एक व्यक्ति की भूख दूर करने के लिए पर्याप्त है । इस संकल्प का उद्देश्य बड़ा नेक है गाजियाबाद मे ऐसे लोगों का पेट भरना जो गरीब हैं और जिनके पास इतना पैसा नहीं है कि वो होटल और रेस्तरां मे जाकर खाना खा सके खास तौर पर ऐसे लोगों की मदद की कोशिश की गई है जो कामगार तबका है, जो इतना मजबूर है कि उसके पास ना तो खाना बनाने के लिए समय और सुविधा है ना ही इतना पैसा है कि वो बाहर से दूसरे लोगों की तरह रेस्टोरेंट मे जा कर खाना खा सके । आने वाले समय मे जैसे चित्रांश परिवारों का सहयोग आएगा इसको और वृहद किया जाएगा । इस संकल्प मे किसी भी प्रकार का कैश का सहयोग नही लिया जाएगा। इसमे अगर कोई सहयोग करना चाहे तो कच्चा माल लाकर दे सकता है और श्रमदान का भी सहयोग कर सकता है ।

श्राद्ध और श्रद्धा

संस्कार उजाला

आशा चौधरी (गाजियाबाद)

सनातन धर्म के अनुसार पांच कल्प होते हैं। नक्षत्र कल्प, वेदकल्प, संहिता कल्प, आंगीरस कल्प और श्राद्ध कल्प अथवा पितृ कल्प। जिनके ज्ञान मार्ग से कर्म में कुशल हो जाते हैं। सनातन के समान ही इसमें निहित कर्म, नियम, पूजा-जप, तप कल्प, अनुष्ठान इत्यादि सभी शाश्वत है और चिरकाल से प्रवाहित होते आ रहे हैं। तथा चिरकाल तक ही प्रभावित होते रहेंगे। इतिहास भी साक्षी है, और हमारा वर्तमान भी साक्षी रहेगा कि यदि विश्व को विनाश से बचाना है तो मानव समाज को सुखद बनाने के लिए सत्य, सुंदर, शिव, भद्र, शुभ, पवित्र, सत्य, श्री, शक्ति, बल, ज्ञान, यज्ञ, सेवा आदि पुण्य-कर्मों को आचरण में उतारना पड़ेगा। आज वर्तमान में विश्व की लीला को ध्यान से देखो कि हर तरफ हिंसा रूपी सुरसा मुख फाड़े दौड़ रही है। जब की वास्तविकता यह है कि हिंसा एवं युद्ध में किसी का भला नहीं है। संपूर्ण विश्व उन ऋषि मुनियों का ऋणी है, जिन्होंने सामाजिक उत्थान हेतु गहन अध्ययन सूक्ष्म-निरीक्षण तथा संसार के प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष, लोक-परलोक, जन्म-मृत्यु तथ्यों का गंभीरता पूर्वक अवलोकन करके पाप पुण्य के मर्म एवं तथ्यों के प्रभाव को जाना है। वे अगाध ज्ञान के भंडार थे। वे भली भाति जानते थे की प्रेम, दया, अहिंसा, श्रद्धा, विश्वास, सत्य, तप, ज्ञान- विज्ञान, यज्ञ, दान, शुद्धता, पवित्रता, धैर्य आदि गुण धर्म के मेरुदंड है। यह छुईमुई नहीं है कि जब चाहा इन्हें बर्बाद कर दिया जाए। यह कोई प्राचीन वस्त्र नहीं है कि जब चाहे इन्हें उतार दिया जाए और दूसरे वस्त्र पहन लिए जाए। जिस प्रकार अग्नि का धर्म ज्वलनशीलता है। ठीक उसी प्रकार मानव का धर्म मानवता है। यह कटु और अकाट्य सत्य हैं कि मानवीय गुणों के अभाव में समूचा विश्व असुरक्षित है। इन सभी तत्वों को देखते हुए सनातन धर्म में कुछ ऐसे मानव समाज की कल्याण भावना से धार्मिक पूजा-पाठ तथा अनुष्ठानों का निर्धारण किया गया है। जिससे पूरा ब्रह्मांड एक अदृश्य सत्ता से जुड़ा है। श्राद्ध कर्म भी उन्ही अनुष्ठानों में से एक है। इस अनुष्ठान में से मृत व्यक्ति के प्रति जीवित व्यक्ति की श्रद्धा बनी रहती है। शास्त्राकारों ने श्रद्धा के अभाव में श्राद्ध करना विफल बताया है।

तप, यज्ञ, अनुष्ठान, ईश्वर के दर्शन, दिव्य शक्ति, अर्जन सब के सब बिना श्रद्धा के प्राप्त किया नहीं जा सकते। इसलिए श्रद्धा के अभाव में मनुष्य सूखे वृक्ष के समान है। श्रद्धा रस की वह धारा है, जो हृदय, मन और बुद्धि को आनंद रस से सींच कर सदा हरा-भरा रखती है। जहां श्रद्धा नहीं वहाँ श्राद्ध कर्म जैसे सात्विक भावों की समष्टि नहीं। श्रद्धा के महत्व के संबंध में ऋग्वेद में कहा गया है कि:-

ह्लश्रद्धा गुण संसार का सर्वश्रेष्ठ ऐश्वर्य है। (ऋग्वेद १० -१५१-१)

गीता में भी कहा गया है कि:- जिस व्यक्ति की जैसी श्रद्धा होगी, वह उसी प्रकार का बन जाता है। (गीता- १७-३)

हम प्राय: लौकिक व्यवहार में देखते हैं कि श्रद्धा की शक्ति के कारण ही साधारण सा दिखने वाला व्यक्ति, बच्चे, किशोर सभी भारी और कठिन तीर्थों की यात्रा संपूर्ण कर लेते हैं। श्रद्धावंत मानव आत्म शक्तिवंत हो जाता है। जैसा कि हम सभी को विदित है की आत्मा परमात्मा का अंश है। तो परमात्मा के गुणों का आंशिक रूप से आत्मा के गुणों का समावेश तो होता ही है। इसी आधार पर आत्मा का अमर होना सिद्ध है। सनातन धर्म के अनुसार मरने के उपरांत आत्मा अपने कर्मों के अनुसार लोक- लोकान्तरो में भम्रण करती है। कर्म फल पूर्ण हो जाने पर पृथ्वी पर जन्म लेती है। यह एक चक्र है, जिसमें पूरी सृष्टि को घूमना पड़ता है। इस विषय में श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि:-

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि 27 (गीता / २-२७-११) पूरा विश्व इस चक्र में ही भम्रण कर रहा है। सबका अपना अपना चक्र है। यह जगत नश्वर है, परंतु नश्वर कुछ भी नहीं है। प्रत्येक घटक परिवर्तनशील है। पितृ यज्ञ भी इसी परिवर्तनशीलता को इंगित करने वाला एक अनुष्ठान है। वैदिक-साहित्य को आत्मा को अजर-अमर मानता ही है। पर इसके अतिरिक्त इतर संप्रदाय भी प्राय: आत्मा का पूर्ण विनाश नहीं मानते। किसी ना किसी रूप में मरणोपरांत उसका अस्तित्व स्वीकार किया गया है। श्राद्ध एक परंपरा है जिसका वैदिक ग्रंथो में भी उल्लेख मिलता है। (अथर्ववेद ७-७९-२, १८-४-६३) पुराणों में प्राय: सभी में श्रद्धा भावेन श्राद्ध करने का विशद उल्लेख मिलता है। यह उल्लेख गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण इत्यादि में विशेष रूप में प्राप्त है। वैदिक पौराणिक-साहित्य में आत्मा अमर है। उसका कमार्नुसार मृत्यु के पश्चात पृथ्वी से इतर लोको गमन तथा प्रत्यागमन होता है। वैदिक धर्म में आत्मा लक्ष्य विहीन नहीं है। इसका एक ही परम लक्ष्य है कि यह अपना देव स्वरूप प्राप्त करके स्फुर्लिग में स्थान की प्राप्ति करें जिसमें अनादि काल तक आनंद प्राप्त कर सके। लक्ष्य से भटकने पर यह आत्मा प्रथम रूप में पितृ लोक में निवास करती है। पितृ लोक अप्रत्यक्ष रूप से पृथ्वी लोक से संबंध है। यहां पर आत्मा अपने स्वजनों से संबंध बनाए रखती है। श्राद्ध पर्व इसी संबंध का साक्षी है। शास्त्रकारों का मत है कि श्रद्धा के अभाव में श्राद्ध कर्मफल नहीं देता। श्रद्धा एवं श्रद्धो का अनन्य संबद्ध है। श्रद्धा का भाव है सत्य का भाव। जोकि मानव के प्रत्येक कार्य का आधारभूत बनकर अंत:करण में उठी उमंगो की कार्य की शुद्धता की प्रेरणा होती है। श्रद्धा से परिपूर्ण होकर ही अपने पितरो का पूजन श्रेष्ठ फलदायी होता है। तभी पितृ गण अपने प्रति की गई भावना का अनुभव कर पाएंगे। वह समझ पाएंगे कि उनके वंशज आदर, सम्मान और स्नेह की भावना से परिपूर्ण है। श्रद्धा भाव के आधार पर ही वह हमारी भावनाओं को समझ कर तदनुरूप आर्शीवचनो की अमृत वर्षा कर पाएंगे।

सत्य सनातन की जय !

सत्यमेव जयते। डॉ. मिथलेश शर्मा
ट्रिपल एम. ए., बी.एड., एम.एड.
डबल पी.एचडी. (संस्कृत तथा ज्योतिष शास्त्र)
(गोल्ड मेडलिस्ट इन ज्योतिष शास्त्र)

आम्रपाली लेजर वैली में युवक से मारपीट कर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

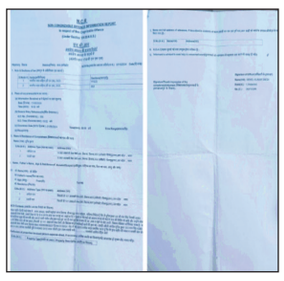

संस्कार उजाला

आशा चौधरी (गाजियाबाद)

थाना बिसरख के अंतर्गत आम्रपाली लेजर वैली में रहने वाले दुर्गेश कुमार पुत्र मान सिंह के साथ सोसायटी के गार्ड के साथ आये व्यक्ति ने मारपीट की। इससे दुर्गेश कुमार घायल होगा। पुलिस ने इस मामले में आम्रपाली लेजर वैली में रहने वाले आरोपी शिशिर के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) व 352 तहत नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित दुर्गेश कुमार का कहना है कि रात को करीब आठ बजे आम्रपाली लेजर वैली स्थित अपने विला में जा रहे थे तो विला का गेट न खुलने पर उन्हें गार्ड का बुलाया। गार्ड के साथ शिशिर नामक व्यक्ति भी आया। उसने उन पर सोसायटी का मेन्टीनेंस ड्यूज देने को कहा और दुर्गेश के साथ गाली गलौच करने शुरू कर दी। गाली गलौच करने का विरोध करने पर शिशिर ने उनसे हाथापाई करते हुए डंडे से मारपीट की। इससे दुर्गेश के सिर, नाक, चेहरे पर गहरी चोट आयी। बिसरख पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करके मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गाजियाबाद में गरजा बुलडोजर, GDA ने मधुबन बापूधाम में 25 करोड़ रुपये की भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

संस्कार उजाला

संवाददाता माधव कुमार जीडीए की टीम ने मधुबन बापूधाम औद्योगिक पॉकेट में करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। इसमें चारदीवारी कर फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। मधुबन-बापूधाम योजना के तहत ग्राम रसूलपुर याकूतपुर की भूमि करीब पांच हजार वर्ग मीटर औद्योगिक पॉकेट खसरा संख्या 42 की भूमि का मामला

करीब डेढ़ दशक से न्यायालय की ओर से स्थगनादेश था। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की टीम ने पुलिस बल के साथ मधुबन बापूधाम औद्योगिक पॉकेट में करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया, जिसमें चारदीवारी कर फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। मधुबन-बापूधाम योजना के तहत ग्राम रसूलपुर याकूतपुर की भूमि करीब पांच हजार वर्ग मीटर औद्योगिक पॉकेट खसरा संख्या 42 की भूमि का मामला करीब डेढ़ दशक से न्यायालय की ओर से स्थगनादेश था। स्थगनादेश समाप्त होने पर जीडीए की टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया, जहां चारदीवारी कर फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था।

जनपद गाजियाबाद के रामलीला मैदान घंटा घर में प्रस्तावित वृहद रोजगार मेला में क्यूआर कोड के माध्यम से करें पंजीकरण- श्री विवेक कुमार मिश्रा एडीएम एल/ एवं नोडल अधिकारी रोजगार मेला

वर्तमान समय में 8000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए,100 से अधिक कंपनियां करेंगी प्रतिभाग-- श्री विवेक कुमार मिश्रा

✪15000 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार, स्वरोजगार हेतु ऋण के लिए करें आवेदन- नोडल अधिकारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। वृहद रोजगार मेला के मद्देनजर नोडल अधिकारी श्री विवेक कुमार मिश्र एडीएम एल/ ए ने जानकारी दी कि प्रस्तावित वृहद रोजगार मेला के संबंध में अधिकतर तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं । मेला स्थल पर रोजगार के संबंध में 140 स्टाल लगाए जा रहे हैं, जिसमें 20 स्टॉल पर रजिस्ट्रेशन कार्य, 3 हेल्प डेस्क,

1 मेडिकल कैंप, 1 डाटा कंबाइनिंग कंट्रोल रूम हेतु एवं 115 पर कंपनियों के स्टाल लगेंगे। वर्तमान समय तक 100 कंपनियों से अधिक कंपनियों द्वारा मेले में प्रतिभाग करने एवं युवाओं को रोजगार देने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त कंपनियों द्वारा 15167 रिक्त पदों की सूची भी उपलब्ध करा दी गई है जिस पर कंपनियों द्वारा लोगों को रोजगार दिया जाएगा। इसके साथ ही इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबीए कॉलेज, पॉलिटेक्निकल, आईटीआई, कौशल विकास मिशन, जिला सेवा योजन आदि संस्थाओं को रोजगार मेले में अधिक से अधिक युवाओं के पंजीकरण के लिए कहा गया है, जिसके तहत वर्तमान समय में 8000 से अधिक रजिस्ट्रेशन क्यूआर कोड के माध्यम से किये जा चुके हैं। मेले के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा रहेगी। उन्होंने कहा कि वृहद रोजगार मेला के दौरान स्वरोजगार हेतु ऋण भी वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पात्र युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन भी वितरित किए जाएंगे। यह वृहद रोजगार मेला जनपद गाजियाबाद के रामलीला मैदान घंटाघर में आयोजित किया जाएगा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011